केवल मैडिकल व्यवसायियों के लिए

PHARMA NEWS

Editor- Brejesh Kumar Garg | www.medicaldarpan.com | Monthly News Paper

B.N. Medical Complex, Bulandshahr (U.P.) Postal Reg. No. BSR 37/2024-2026 RNI UPBIL/2007/27885

Year 17 | Issue 06 | DOP 10 February 2024 | Pages 08 | ₹ 10/- Copy | ✆ 09410434811, medicaldarpan.ctp@gmail.com

Lezaa Health Care
FACE AMOUR COSMO
KareMed A DIVISION OF LEZAA BIOTECH
Lezaa Ayurveda
Lezaa Biotech®
AYURVEDIC & HERBAL FORMULATION
More then 500+ Products Range
OWN MANUFACTURING UNIT CERTIFIED WITH GMP, ISO (9001-2015)
With the Wide Range of :
Tablets | Capsules | Liquids | Dry Syrup | Face Wash
Drops | Lotions | Gels | Ointments | Shampoos
Protein Powders | Ayurveda Products | Neutraceuticals
QUALITY MANUFACTURING OF AYURVEDA & HERBAL PRODUCT
LEZAA GROUP OF COMPANIES (An ISO 9001:2015 Certified Co.)
Ware House : Plot no. 165, Food Park, Phase 1,Sector 2, HSIIDC, Saha, Ambala-133104(HR)
Head Office: Plot No. 397-398 Jaggi Garden, Ambala City, Hariyana-134007
Manufacturing Unit : Khasra No. 21/1/2, Binjhol Road, Near Gas Godwon Panipat Hry-132103
E-mail: lezaaayurveda@gmail.com, lezaabiotech@gmail.com
Website: www.lezaaayurveda.com / www.lezaabiotech.com / www.karemed.in
CONTACT US : +91 7027104999, +91 8059280999

Our General Divisions
MERRIL | MESTRA | STERILE GENETICS
MERRIL Third Party Enquiry Also Welcome
And many more ...
We have more then 250 products in our successfully running company.
For Mestra App
New Molecules available
For any query :- 9719839944
Natural Progesterone 300mg SR Tab
Faropenem-200mg Tab.
Ambroxol+ Levocetrizine+ Montelukast
Trypsin+ Rutoside+ Bromeline+ Diclofenac
Sultamycillin-375mg Tab.
Rifaximin-400mg Tab.
Thiocolchicoside+ Aceclofenac+ Paracetamol
Medroxyprogesterone 10mg
Introduce New Derma Division
Emocare | NUECAD Cardiac-Diabetic division | Womena Gyne-infertility division | BEAUKIN
Piraciti-Plus | Metolip-ER 25/50 | Gensure-Sachet | Antihist-D
Velpy-200/300/500 | Nuepido-AS | Gensure-LC | Tacroril
Emofexine Tab. | Nuepido-Plus | NMPC-softgel/SR tab/ Inj. | Candigel
Emofexine Plus -50 | Tenzex-M | Gensure-F | Eberil
Registered Office :- A-401/402, Empire Business Hub, Science City Road, Ahmedabad-380060 (Gujrat)-India,
Email : order@mestrapharma.com Website : www.mestrapharma.com

कार्यक्रम सम्पन्न

आरोग्य हॉस्पिटल निकट हौली चोक, रोहाना रोड चरथावल में थाना चरथावल क्षेत्र के पुलिस कर्मियों एवं पत्रकार बंधुओं के लिए एक स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें दिल की जांच (ECG) ब्लडप्रेशर एवं शुगर, कोलेस्ट्रॉल, कैल्शियम, यूरिक एसिड, इत्यादि विभिन्न रक्त परीक्षण किए गए। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री सुभाष चौहान (नामित सदस्य जिला स्वास्थ्य समिति, अध्यक्ष कैमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन मु०नगर) जी ने किया। कार्यक्रम में हॉस्पिटल संचालक डॉ शैलेन्द्र त्यागी ने सुभाष चौहान, चरथावल थाना अध्यक्ष ओम प्रकाश, मु०नगर कैमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के संगठन मंत्री श्री सचिन त्यागी चरथावल भाजपा मंडल अध्यक्ष भोपाल जी, कस्बे के वरिष्ठ पत्रकार शक्ति देव त्यागी, संजय गर्ग जी, एवं सुदर्शन न्यूज के समर ठाकुर को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। – **सतीश तायल, मो० 9760007069.**

एमआरपी से अधिक मूल्य निर्धारण की एंटीफंगल दवाइयां जब्त

एमआरपी से अधिक मूल्य निर्धारण की एंटीफंगल दवाइयां जब्त की गई हैं। औषधि नियंत्रण प्रशासन के अधिकारियों ने कोठागुडेम में अधिक मूल्य निर्धारण के लिए ग्रिसोलैब–250 ग्रिसोफुलविन टैबलेट 250 मिलीग्राम को बरामद किया है। बता दें कि ब्रांड नाम 'GRISOLAB-250' के तहत बेचा जाने वाला उत्पाद ग्रिसोफुलविन टैबलेट 250 मिलीग्राम औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 के अनुसार मूल्य नियंत्रण के अंतर्गत है। इस उत्पाद को राष्ट्रीय फार्मास्युटिकल मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) द्वारा निर्धारित सीमा मूल्य के अनुसार बेचा जाता है। उत्पाद GRISOLAB-250 ग्रिसोफुलविन टैबलेट 250 मिलीग्राम B-No: GGST-007, Mfg Dt: 04/2023 EXP Dt: 03/2026, लेबोरेट फार्मास्यूटिकल्स इंडिया लिमिटेड द्वारा औद्योगिक क्षेत्र, पोंटा साहिब, हिमाचल प्रदेश द्वारा निर्मित है। इसकी मार्केटिंग जीपीपी एक्सलेड, सलवान, हरियाणा द्वारा की जाती है। इनके लेबल पर 10 गोलियों के लिए 65 रुपये एमआरपी अंकित हैं, जो औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 का उल्लंघन है। केंद्र सरकार द्वारा उत्पाद ग्रिसोफुलविन टैबलेट 250 मिलीग्राम के लिए निर्धारित वास्तविक अधिकतम कीमत 10 टैबलेट के लिए 17.7 रुपये है। इसलिए अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) यानी 12 प्रतिशत जीएसटी सहित रुपये से अधिक नहीं होना चाहिए। डीसीए अधिकारियों ने बताया कि 10 टैबलेट के लिए 19.83 रुपये (एमआरपी = अधिकतम कीमत+जीएसटी) होता है। गौरतलब है कि कंपनी ने उत्पाद की कीमत अधिक रखी है। 10 टैबलेट की एक स्ट्रिप के लिए 100 रुपये से अधिक का शुल्क लिया गया। यह 45.17 प्रति 10 टैबलेट, जो औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 का उल्लंघन प्रदर्शित करता है।

–नूर मोहम्मद, रामपुर, मो० 9456269821

Central TAX has been released

The Central Board of Indirect Taxes and Customs (CBIC) has issued Notification No. 56/2023–Central Tax on December 28, 2023, to extend the time limit specified under Section 73(10) of the Central Goods and Services Tax Act, 2017 ("the CGST Act"). This extension pertains to the issuance of orders under Section 73(9) of the CGST Act, which involves the recovery of tax not paid, short paid, or input tax credit wrongly availed or utilized for the financial years 2018-19 and 2019-20.In exercising the powers conferred by relevant sections of the CGST Act, the CBIC has partially modified previous notifications (No. 35/2020, No. 14/2021, No. 13/2022, and No. 09/2023) and extended the time limit for passing orders under Section 73. The extension is granted based on the recommendations of the Council and is applicable as follows:(i) For the financial year 2018-19, the time limit for issuing orders is extended up to the 30th day of April 2024.(ii) For the financial year 2019-20, the time limit for issuing orders is extended up to the 31st day of August 2024.This extension provides additional time for the authorities to take necessary actions for the recovery of taxes or input tax credit related to the specified tax periods.

- Praveen Sharma
Mob: 9456824705.

अमृत और मृत्यु – दोनों ही इस शरीर में स्थित हैं.
मनुष्य मोह से मृत्यु को व सत्य से अमृत को प्राप्त होता है

अमृत और मृत्यु दोनों ही इस शरीर में स्थित हैं.
मनुष्य मोह से मृत्यु को व सत्य से अमृत को प्राप्त होता है.

Contract Research manufacturer
In Quality and state of Art sections of-
AYURVEDIC AYUSH MARK PRODUCTS
TABLET | CAPSULES | OIL | BHASMA | SYRUP
COSMECEUTICALS
SERUM | PSORIASIS | VITILIGO | SKIN CARE | HAIR CARE
ALLOPATHIC
TABLET | CAPSULE | OINTMENT
NUTRACEUTICALS
Rajani Healthcare Products
Office Address: Purva Complex, Sadashiv Peth Pune 411 030, Maharashtra India
Plant: E-18/1, Jejuri MIDC Tel: Purander Dist: Pune Maharashtra India 412 303, www.rajanipharma.com
pharma789@gmail.com, export.rhcp@gmail.com, info@rajanipharma.com, business@rajanipharma.com
+91 20 24471007 +91 20 24473132 +91 9823096996 +91 8793340533 +91 9168316618 +91 9604639665

ऊंचाई पर पहुंचना है तो बाज बनो, धोखेबाज नहीं...

PCD / FRANCHISEE
V & U Pharmaceuticals
GUARANTEE Quality Service Reliability
Where Quality is the Core
All Products of V & U Pharmaceuticals are manufactured under stringent quality control in approved manufacuring facilities.
WHO GMP CERTIFIED | GMP | ISO 9001 CERTIFIED
A NAME SYNONYMOUS TO QUALITY & TRUST
INVITING PROPOSAL FOR FRANCHISEE ACROSS COUNTRY
1. One of the best quality products and packaging.
2. Attractive Pricing.
3. Comprehensive & expanding produt basket
4. Expert Marketing Support/ Print Inputs.
5. Attractive Bonanza
TABLETS/CAPSULES SYRUPS/LIQUIDS RESPULES/ROTACAPS DEVICES/CREAMS
V & U PHARMACEUTICALS
Contact: 7017051435/9999355975
H-1.39N,RIICO Industrial Area, Khushkhera, Bhiwadi, Distt:Alwar, Rajasthan 301707
sales@vnupharmaceuticals.com; vnupharmaceuticals@gmail.com
www.vnupharmaceuticals.com

We Welcome Your Inquiries for 3rd Party Manufacturing
Committed to Create Miracles
MIRACLE LIFE SCIENCES
GMP | GLP | FDA APPROVED
Best quality of efficiency Product we directly approved by WHO GMP
With the Wide Range of :
Tablets | Capsules | Liquids | Dry Syrup | Dry-Inj.
Drops | MEDICATED SOAP | Syrup | Ointments | Veterinary Bolus
Beta & Non-Beta | Ophthalmic Drops | Veterinary Inj.
Excellent Packing Like Alu-Alu, Blister & Strip Packing
Brand Promotional Input Like......
Visual aid | Sample Catch covers | Visiting Cards
Product Literature | MR Bags | DCR Pad | Gifts
Trade Enquiries are Welcome for Third Party MFG. / PCD Franchises Distribution on Monopoly basis in PAN India.
M. +91 9897039922, 9897939961, 7037039923
MIRACLE LIFE SCIENCES
(Behind Patanjali Yog Peeth) 148, Village : Bahadarpur Saini, Post: Daulatpur Bahadrabad-249 405, Haridwar (U.K.)
Email : miracle.patel@gmail.com Web: www.miraclelifesciences.in

अस्पताल सील

रामपुर– प्राइवेट अस्पताल को स्वास्थ्य विभाग ने सील कर दिया है। बेलांव बाजार स्थित ओम साईं हॉस्पिटल को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने सीलिंग कार्रवाई की। यह कार्रवाई सिविल सर्जन डॉ. मीना कुमारी के निर्देश पर की गई। कार्रवाई के दौरान बेलांव थाने की पुलिस, पीएचसी के डॉ. चंदन कुमार, स्वास्थ्य प्रबंधक मोहम्मद इमरान, थानाध्यक्ष अनिश कुमार आदि मौजूद रहे। बेलांव के ओम साईं हॉस्पिटल में गर्भवती महिला का ऑपरेशन किया गया था। इस दौरान ओरा निवासी प्रियंका देवी व उसके पेट में पल रहे बच्चे की मौत हो गई थी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने हॉस्पिटल पर ताला जड़ दिया था। मृतका के पति ने अस्पताल के डॉक्टर व एक आशा कार्यकर्ता के खिलाफ लापरवाही बरतने की एफआईआर दर्ज करवाई है। अब स्वास्थ्य विभाग ने पुलिस का ताला खुलवाकर अस्पताल के अंदर जांच की। इसके बाद अस्पताल पर अपना ताला जड़ दिया। पीएचसी प्रभारी ने बताया कि हॉस्पिटल को सील करने से पहले उसके अंदर के कई बिंदुओं पर जांच की गई है। जांच के दौरान अस्पताल में कई मरीजों के नाम की पर्ची मिली। कई प्रकार की दवाइयां, अल्ट्रासाउंड मशीन आदि पाई गई। इनकी लिस्ट तैयार कर ली है। इसकी रिपोर्ट सिविल सर्जन को भेजी जाएगी। फिलहाल इस अस्पताल को सील किया जा रहा है। सिवलि सर्जन के आदेश पर आगामी कार्रवाई की जाएगी। पीएचसी प्रभारी डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि क्षेत्र में बिना निबंधन के कई अस्पताल संचालित किए जा रहे हैं। यहां मरीजों को भर्ती कर इलाज करने के साथ ऑपरेशन तक किया जा रहा है। ऐसे अस्पतालों संचालन पर रोक लगाने के लिए जांच की जाएगी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा गठित मेडिकल टीम रामपुर प्रखंड क्षेत्र में संचालित किए जा रहे निजी अस्पतालों की जांच करेगी। जांच के दौरान सुविधा, मानक व संचालन नहीं पाए जाने पर अस्पताल संचालक के खिलाफ कार्रवाई होगी।

दवाई के कार्टन में छिपाकर अवैध शराब की तस्करी का पर्दाफाश

मुजफ्फरपुर– दवाई के कार्टन में छिपाकर अवैध शराब की तस्करी करने का पर्दाफाश हुआ है। बरामद की गई शराब की कीमत करोड़ों रुपये बताई गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल इस तस्करी के कारोबारी की तलाश में छापेमारी की जा रही है। बिहार राज्य में शराब बंदी के बावजूद शराब की तस्करी पर रोक नहीं लग पा रही है। शराब तस्करी से जुड़े लोग रोजाना नये-नये तरीके अपनाकर दूसरे राज्यों से मुजफ्फरपुर में विदेशी शराब मंगवा रहे हैं। ऐसा ही एक और नया शराब तस्करी का मामला पकड़ में आया है। गायघाट के बरूआरी गांव के पास एक गड्ढे में ट्रक फंसा हुआ था। ग्रामीणों ने इस ट्रक को देखा तो पुलिस को इसकी जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस के सहयोग से करीब 5 घंटे की मशक्कत के बाद क्रेन के द्वारा ट्रक को बाहर निकाला गया। पंजाब के नंबर वाले इस ट्रक में पशुओं को दी जाने वाली दवाओं की आड़ में 550 कार्टन अवैध शराब छिपाकर रखी हुई मिली। इसे देखकर मौके पर मौजूद सभी लोग हैरान रह गए। पुलिस के अनुसार ट्रक से जब्त की गई शराब की कीमत करोड़ों रुपये है। पुलिस इसके कारोबारी की तलाश में छापेमारी में जुटी है।

नए एंटीबायोटिक एक्सबीलाइफब को यूरोपीय औषधि एजेंसी की मंजूरी मिल गई

नई दिल्ली: ऑर्किड फार्मा ने कहा कि उसे अपने एंटीबायोटिक एक्सबीलाइफब के विपणन के लिए यूरोपीय औषधि एजेंसी से मंजूरी मिल गई है। चेन्नई स्थित फर्म ने कहा कि एक्सबीलाइफब में एनमेटाजोबैक्टम शामिल है, यह भारत में पूरी तरह से आविष्कार किया गया पहला बीटा लैक्टामेज अवरोधक है और इसे रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) की वैश्विक चुनौती से निपटने के लिए डिजाइन किया गया है। ऑर्किड फार्मा ने एक नियामक फाइलिंग में कहा कि एक्सबीलाइफब जटिल मूत्र पथ संक्रमण यूटीआई), निमोनिया और विस्तारित स्पेक्ट्रम बीटा-लैक्टामेज उत्पादक रोगजनकों के कारण होने वाले बैक्टीरिमिया के इलाज में उल्लेखनीय प्रभावकारिता प्रदर्शित करता है। क्लिनिकल परीक्षणों के दौरान, एक्सबीलाइफब ने वर्तमान गो-टू ड्रग, (पाइपरसिलिन + टैजोबैक्टम) की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया। ऑर्किड फार्मा के प्रबंध निदेशक मनीष धानुका ने कहा, विश्व स्तर पर हजारों लोगों की जान बचाने की क्षमता के साथ, ईएमए द्वारा यह अनुमोदन भारत की सरलता का प्रमाण है। यह भी बहुत गर्व की बात है कि दुनिया की फार्मेसी के रूप में, भारत ने अब पहली बार एक नई दवा विकसित की है। एनमेटाजोबैक्टम का आविष्कार भारत में ऑर्किड द्वारा किया गया था और फिर आगे के विकास के लिए एलेक्रा थेरेप्यूटिक्स को लाइसेंस दिया गया था।

लाइसेंस निरस्त (पाली) – गर्भपात के लिए आने वाले एमटीपी किट की गोली बिना लाइसेंस के बेचना अवैध है, इसके बावजूद ये जान को जोखिम में डालने वाली गोली पाली के बाजार में धड़ल्ले से बिक रही है। यह गोली बेचने वाली दो दुकानों के अनुज्ञापत्र सहायक औषधि नियंत्रक ने निरस्त कर दिए। पाली शहर में एमटीपी किट बेचने को लेकर राजस्थान पत्रिका की ओर से स्टिंग किया गया था। जिसमें भालेलाव रोड स्थित शिव शक्ति मेडिकल एण्ड जनरल स्टोर व शिव नगर मंडिया रोड की मारुति मेडिकल एण्ड जनरल स्टोर पर बिना चिकित्सक की सलाह के अवैध रूप से एमटीपी किट बेचने का खुलासा किया था। इस पर पहले औषधि नियंत्रक अधिकारी माधोसिंह व दिनेश कुमार सुथार ने निरीक्षण कर कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इसकी रिर्पोट सहायक औषधि नियंत्रक को पेश की थी।

–जितेन्द्र गहलोत, पाली, मो० 9828473588.

सिग्ना ने मेडिकेयर कारोबार को 3.3 बिलियन डॉलर में हेल्थ केयर सर्विस को बेचा

बेंगलुरुः बीमाकर्ता हेल्थ केयर सर्विस कॉर्प ने कहा कि वह सिग्ना के मेडिकेयर व्यवसाय को खरीदेगी जो 65 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए सरकार द्वारा समर्थित स्वास्थ्य बीमा का प्रबंधन करता है। यह 3.3 बिलियन डॉलर नकद में होगा। इस बिक्री में सिग्ना की मेडिकेयर लाइनें शामिल हैं, जिसमें मेडिकेयर एडवांटेज, मेडिकेयर सप्लीमेंट और मेडिकेयर ड्रग प्लान शामिल हैं, साथ ही केयरएलाइज नामक एक इकाई भी शामिल है जो चिकित्सक समूहों और अन्य स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के साथ काम करती है। यह विनिवेश सिग्ना की उस क्षेत्र के लिए रणनीति में बदलाव को दर्शाता है जिसमें उसने 2011 में हेल्थस्प्रिंग के 3.8 बिलियन डॉलर के अधिग्रहण के साथ प्रवेश किया था। हेल्थ केयर सर्विस के पास पाँच अमेरिकी राज्यों में ब्लू क्रॉस ब्लू शील्ड बीमा योजनाएँ प्रदान करने का लाइसेंस है । इसमें 27,000 से अधिक लोग और 18.6 मिलियन सदस्य कार्यरत हैं। सिग्ना का अधिकांश राजस्व उसके वाणिज्यिक व्यवसाय और फार्मेसी लाभ प्रभाग से आता है, जिसे उसने 2018 में एक्सप्रेस स्क्रिप्ट्स की 52 बिलियन डॉलर की खरीद के साथ मजबूत किया। सिग्ना के मेडिकेयर एडवांटेज व्यवसाय ने 2022 में कंपनी के 179. 4 बिलियन डॉलर के राजस्व का 4.4 प्रतिशत बाहरी ग्राहकों से उत्पन्न किया। इसकी योजना वर्तमान में 3.6 मिलियन मेडिकेयर सदस्यों को सेवा प्रदान करती है। हेल्थ केयर सर्विस ने कहा कि यह सौदा 2025 की शुरुआत में पूरा होने की उम्मीद है।

ड्रग कंट्रोल ऑफिसर सुनील चौधरी ने किया सरेंडर

चंडीगढ़– ड्रग कंट्रोल ऑफिसर सुनील चौधरी ने आखिर जिला अदालत में सरेंडर कर दिया है। वह करीब पांच महीने से फरार चल रहा था। कोर्ट ने सुनील चौधरी को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। धनास स्थित आर्थोपेडिक सर्जिकल स्टोर में ड्रग कंट्रोल अधिकारी सुनील चौधरी ने छापेमारी की थी। इस दौरान खामियां बताकर सील न करने के एवज में स्टोर संचालक देव शरण शाहा से एक लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। बाद में सौदा 80 हजार रुपये में तय हुआ। स्टोर संचालक शाहा ने इसकी शिकायत विजिलेंस को दी। बिचौलिया अशोक नरूला सेक्टर-20 में देव शरण शाहा से रिश्वत की पहली रकम 25 हजार रुपये लेने आया। उसी समय विजिलेंस की टीम ने उसे रिश्वत की रकम लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपित अधिकारी को स्वास्थ्य विभाग ने निलंबित कर दिया था। एक लाख रुपये रिश्वत मामले में डीसीओ सुनील चौधरी के खिलाफ सितंबर 2023 में विजिलेंस ने केस दर्ज किया था। आरोपित ने गिरफ्तारी से बचने के लिए जिला अदालत और उसके बाद पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट में भी अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। दोनों अदालतों से जमानत याचिका खारिज होने पर उसने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी लगाई। आरोपी ड्रग कंट्रोल अधिकारी सुनील चौधरी को दोषी पाया। सुप्रीम कोर्ट ने डीसीओ को आत्मसमर्पण के आदेश दिए। इसके चलते ड्रग कंट्रोल अधिकारी सुनील चौधरी ने जिला कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया। फिलहाल दोषी डीसीओ को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है।

जीएसके को श्वसन, कैंसर पोर्टफोलियो से लाभ मिलने से मजबूत वृद्धि की उम्मीद

लंदन: जीएसके ने चौथी तिमाही के नतीजों के लिए बाजार के अनुमानों को पीछे छोड़ दिया और 2024 और उसके बाद के लिए एक उत्साहजनक पूर्वानुमान का अनावरण किया, क्योंकि दवा निर्माता अपनी वैक्सीन, संक्रामक रोग और कैंसर दवा पाइपलाइन को बढ़ा रहा है। जुलाई 2022 में उपभोक्ता स्वास्थ्य सेवा व्यवसाय हेलियन को अलग करने के बाद यह कंपनी की पहली वार्षिक आय रिपोर्ट है। तब से, लंदन में सूचीबद्ध फर्म ने वैक्सीन और संक्रामक रोगों पर ध्यान केंद्रित किया है और स्पिन-ऑफ द्वारा उत्पन्न +7 बिलियन के साथ, जीएसके ने अपनी दवा पाइपलाइन को मजबूत करने की कोशिश की है। इसके अलावा, जीएसके के रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस (आरएसवी) वैक्सीन एरेक्सवी की मजबूत वृद्धि को विकास चालक के रूप में देखा जा रहा है, जो विकास में दवाओं की अपनी पाइपलाइन की ताकत और बंद हो चुकी हार्टबर्न दवा जैंटैक पर महंगी अमेरिकी मुकदमेबाजी के बारे में बाजार की चिंताओं को कम करता है- 31 दिसंबर को समाप्त वर्ष के लिए एरेक्सवी ने 1.24 बिलियन पाउंड की बिक्री दर्ज की, जो दूसरी छमाही में लॉन्च के बाद हुई। सीईओ एम्मा वाल्म्सली ने एक बयान में कहा, अब हम 2025 से कम से कम 12 प्रमुख लॉन्च की योजना बना रहे हैं, जिसमें संक्रामक रोगों, एचआईवी, श्वसन और ऑन्कोलॉजी के लिए नए टीके और विशेष दवाएं शामिल हैं। कंपनी द्वारा आपूर्ति किए गए सर्वेक्षण के अनुसार, जीएसके को उम्मीद है कि 2024 में 5 प्रतिशत-7 प्रतिशत की बिक्री वृद्धि पर प्रति शेयर उसका समायोजित लाभ 6 प्रतिशत से 9 प्रतिशत के बीच बढ़ेगा, जो विश्लेषकों की वृद्धि की उम्मीदों से काफी अधिक है। कंपनी को यह भी उम्मीद है कि 2026 तक बिक्री में सालाना 7 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होगी, जबकि पहले 5 प्रतिशत का अनुमान लगाया गया था। एलएसईजी के आंकड़ों के अनुसार, इसने 8.05 बिलियन पाउंड (10.20 बिलियन डॉलर) की बिक्री पर 28.9 पेंस प्रति शेयर का लाभ दर्ज किया, जबकि विश्लेषकों ने 7.29 बिलियन पाउंड की बिक्री पर 28.63 पेंस प्रति शेयर लाभ की औसत उम्मीद जताई थी।

FOR SALE
A Running pharmaceutical factory having
Tablet, Capsule (Non Betalactum)
at Himachal Pradesh near Nangal Dam in 500 sqmt
contact
9872632702
sarwalpharma@yahoo.co.in

www.medicaldarpan.com

117वीं बार डोनेट किया ब्लड

सामाजिक सरोकारों से जुड़ा नाहन का अग्रणी संगठन लायंस क्लब न केवल जरूरतमंदों की आर्थिक तौर पर मदद कर रहा है, बल्कि क्लब के सक्रिय सदस्य अमूल्य रक्तदान कर भी असहाय लोगों के लिए आगे आ रहे हैं. इस कड़ी में लायंस क्लब नाहन के सदस्य डा. अजय गोयल एक बार फिर रक्तदान के लिए आगे आएं हैं। क्लब के पीआरओ राजीव बंसल ने बताया कि क्लब कें सदस्य डा. अजय गोयल ने 117वीं बार रक्तदान पुनीत कार्य में आहुति डाली है। बता दें कि लायंस क्लब नाहन विगत 28 वर्षों से शहर में जरूरतमंदों, विद्यार्थियों, गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह, रोगियों की मदद के अलावा धार्मिक, सामाजिक आयोजनों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए सामाजिक सरोकारों का निर्वहन कर रहा है। लायंस क्लब के फाउंडर पदाधिकारी लायन राजीव बंसल व वर्तमान प्रेजिडेंट विनित सिंघल अलावा क्लब के सक्रिय सदस्य क्लब के लक्ष्यों को आगे चढ़ा रहे हैं। वहीं क्लब के स्वस्थ सदस्यों ने रक्तदान के माध्यम से भी जरूरतमंदों की मदद के लिए हाथ बढ़ाए हैं।

–डॉ अजय गोयल, हिमाचल प्रदेश, मो॰ 9882348482

पेन किलर लेने से पहले हो जाएं अलर्ट

नई दिल्ली– खांसी-जुकाम या पेन किलर लेने वालों के लिए खास खबर है। भारत की केंद्रीय दवा नियामक संस्था (सीडीएससीओ) ने कंपनियों से सर्दी-खांसी और जुकाम की दो दवाओं और एक दर्द निवारक दवा का टेस्ट करने के निर्देश जारी किए हैं। इन दवाओं की सुरक्षा और प्रभावशीलता की समीक्षा करने के लिए टेस्टिंग की जाएगी। बता दें कि ये तीनों दवाएं 30 से अधिक सालों से फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन (एफडीसी) के रूप में उपलब्ध हैं। एफडीसी उन दवाओं को कहा जाता है, जो दो या अधिक दवाओं को मिलाकर एक दवा बनाई जाती है। इन दवाओं में खांसी और सर्दी की दवाओं में से एक में पेरासिटामोल (एंटीपाइरेटिक), फेनिलेफ्रिन हाइड्रोक्लोराइड (नेजल डीकॉन्जेस्टेंट) और कैफीन एनहाइड्रस युक्त दवाएं शामिल हैं। दूसरे में विभिन्न संरचनाओं में कैफीन निर्जल, पेरासिटामोल, हाइड्रोक्लोराइड (नमक) और क्लोरफेनिरामाइन मालेट (एलर्जी-रोधी दवा) है। सीडीएससीओ ने एक और दर्द निवारक दवा की जांच करने की सलाह दी है। ये दवा कई सालों से इस्तेमाल हो रही है। इसमें तीन तत्व हैं। पैरासिटामोल (बुखार कम करने वाली दवा), प्रोपाइफेनाजोन (दर्द कम करने और बुखार कम करने वाली दवा), और कैफीन। सीडीएससीओ ने फार्मा कंपनियों से इस दवा के इस्तेमाल को लेकर सुरक्षा और प्रभाव के बारे में और जानकारी जुटाने को कहा है। इस कवायद के लिए ज्यादा संख्या में लोगों पर दवा टेस्ट करके देखी जाएगी। सीडीएससीओ का आदेश 1988 से पहले के कुछ एफडीसी की जांच करने के लिए 2021 में गठित एक विशेषज्ञ समिति के सुझावों पर आधारित है, जिन्हें लाइसेंसिंग प्राधिकरण से उचित अप्रूवल के बिना बिक्री के लिए मैन्यूफैक्चरिंग के लिए नई मंजूरी दी गई थी।

–नूर मोहम्मद, रामपुर, मो॰ 9456269821

Vetmed Biotech Pharma, Expo Banglore में पुरस्कृत

2, 3 फरवरी 2024 को बेंगलुरु में आयोजित फार्मा एक्सपो में बद्दी की कंपनी Vetmed Biotech को Highest Product In द्वारा अवार्ड से नवाजा गया। Fope के President Mr. Harish Jain द्वारा यह पुरस्कार डॉ॰ प्रताप मोहन भारतीय को दिया गया। Vetmed Biotech में 450 से ज्यादा vet-care products हैं। इतनी ज्यादा बड़ी रेंज किसी के पास नहीं है। ग्राहक को एक जगह से सारे vet-care और petcare products मिल जाते हैं। Vetmed Biotech कंपनी पिछले 13 सालों से vetcare के क्षेत्र में कार्य कर रही है। उचित मूल्य और अच्छी क्वालिटी कंपनी का धयेय हैं। डॉ प्रताप मोहन भारतीय ने अपने सभी व्यापारियों को इस अवार्ड की प्राप्ति पर शुभकामनाएं दी है।

– डॉ॰ प्रताप मोहन, Genrater House, SCO No.6, Opposite City Look Hotel, Sai Road, Baddi, Mob: 9882011313.

हॉस्पिटल संचालक गिरफ्तार

प्रतापगढ़ (उप्र)– अनम हॉस्पिटल संचालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वह एक प्रसूता की मौत के मामले में लापरवाही का आरोपी बताया गया है। उन पर केस भी दर्ज है। इस केस में वह कई दिनों से फरार चल रहा था। आसलपुर ईसनपुर निवासी खुशबू चौरसिया को प्रसव पीड़ा होने पर मेडिकल कॉलेज से सटे अनम हॉस्पिटल में दाखिल करवाया गया था। स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि यूनानी चिकित्सक ने ऑपरेशन करने के बाद एक ब्लड बैंक से दूसरे ग्रुप का खून लाकर प्रसूता को चढ़ा दिया। इस कारण प्रसुता की मौत हो गई। मौत के बाद उसे रेफर कर दिया गया। रास्ते से लौटे परिजनों ने अस्पताल के बाहर शव रखकर हंगामा कर डाला। बाद में पुलिस की मौजूदगी में सीएमओ ने अस्पताल को सील करवाया था। मृतका के ससुर की शिकायत पर पुलिस में केस दर्ज किया गया था। बताया गया है कि अनम अस्पताल की डॉ. कुर्तुल का चाचा शमीम अस्पताल का संचालन करता था। बीते दिवस वह किसी काम से सीएमओ कार्यालय गया। उसे अस्पताल चौकी की पुलिस ने वहीं गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद उसे कोतवाली भेज दिया गया। चौकी इंचार्ज शशिकांत ने बताया कि आरोपी अस्पताल संचालक शमीम को हिरासत में लिया गया है। फिलहाल पुलिस उनसे पूछताछ में जुटी है।

–नूर मोहम्मद, रामपुर, मो॰ 9456269821

किडनी के आकार वाला अस्पताल बनेगा

अहमदाबाद– किडनी के आकार वाला दुनिया का पहला अस्पताल भारत में गुजरात राज्य के शहर राजकोट में बनाया जाएगा। इस अस्पताल की बिल्डिंग की डिजाइन बिल्कुल किडनी के आकार की होगी। बता दें कि राजकोट में ही गुजरात का पहला एम्स का निर्माण भी लगभग हो चुका है। गुजरात सरकार ने किडनी के आकार का अस्पताल के लिए जमीन भी दे दी है। इस अस्पताल में एक रिसर्च सेंटर भी होगा। इसमें देश और दुनियाभर के छात्र डॉक्टर शोध कर सकेंगे। अस्पताल का नाम बीटी सावनी किडनी हॉस्पिटल रखा जाएगा। इस अस्पताल के निर्माण का मुख्य उद्देश्य किडनी के अच्छे और आधुनिक इलाज को उपलब्ध कराना है। अहमदाबाद, दिल्ली और विदेश के आर्किटेक्ट किडनी के आकार के ट्विन टावर को बनाएंगे। सौराष्ट्र और कच्छ इलाके में किडनी के रोगों का इलाज करते हुए 21 साल पूरे होने पर सावनी किडनी हॉस्पिटल ने इस अस्पताल के निर्माण का फैसला किया है। गौरतलब है कि साल 1998 में सौराष्ट्र क्षेत्र में किडनी रोगों की दुर्दशा को देखते हुए डॉ. प्रदीपभाई कंसागरा, देवजीभाई पटेल, जयंतीभाई फलदु, रमेशभाई पटेल ने सौराष्ट्र किडनी रिसर्च इंस्टीट्यूट, राजकोट नामक एक ट्रस्ट की स्थापना की थी। इसके बाद राजकोट में बीटी सावनी किडनी हॉस्पिटल का निर्माण हुआ था। पिछले साल राजकोर्ट में इंटरनेशनल हवाई अड्डे का शुभारंभ भी हो चुका है। ऐसे में नए अस्पताल के निर्माण से किडनी के इलाज के लिए दूर से भी लोग आ सकते हैं। अब एम्स भी शुरू होने जा रहा है। किडनी हॉस्पिटल के निर्माण से राजकोट में वर्ल्ड क्लास चिकित्सा सुविधा मिल पाएंगी। यह भी एक संयोग है कि दुनिया की पहली किडनी ट्रांसप्लांट यूनिवर्सिटी भी गुजरात में हैं।

अवैध दवाइयां जब्त

हैदराबाद– झोलाछाप डॉक्टर के क्लीनिक पर रेड कर अवैध दवाइयां बरामद करने का मामला प्रकाश में आया है। यह छापामार कार्रवाई टीएस ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन के अधिकारियों ने की। क्लीनिक से अवैध दवाइयां भी बरामद कर ली गई हैं। टीएस ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन के अधिकारियों को अवैध क्लीनिक चलाने की शिकायत मिली थी। शिकायत के आधार पर टीम ने भूपालपल्ली जिले के कटाराम मंडल में एक झोलाछाप डॉक्टर कल्लूरी श्रीनिवास राव के क्लीनिक पर छापा मारा। क्लीनिक से 1.02 लाख रुपये की दवाइयां जब्त कीं गई। इन दवाइयों को आरोपी ने बिना अनुमति के स्टॉक कर रखा था। डीसीए की टीम ने क्लीनिक से एंटीबायोटिक्स, टीबी-रोधी दवाएं, अल्सर-रोधी दवाएं, एनाल्जेसिक और कफ सिरप सहित 59 प्रकार की दवाएं जब्त कीं। आरोपी निजी चिकित्सक होने का दावा करता था। आरोपी अरविंद फर्स्ट एड क्लिनिक चला रहा था। महानिदेशक वी.बी. कमलासन रेड्डी ने बताया कि आरोपी श्रीनिवास राव के पास चिकित्सा संबंधी कोई दस्तावेज नहीं मिले। छापामारी के दौरान वारंगल डीसीए के सहायक निदेशक डॉ. जी. राज्यलक्ष्मी और भूपालपल्ली ड्रग्स इंस्पेक्टर पी. पावनी मौजूद रहे।

मोतियाबिंद के ऑपरेशन बाद पांच मरीजों की गई रोशनी

अहमदाबाद– मोतियाबिंद के ऑपरेशन बाद 20 मरीजों की आंखों में इंफेक्शन होने और इनमें से पांच की रोशनी चली जाने का गंभीर मामला सामने आया है। संबंधित अस्पताल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी गई है। मामलावि. रमगाम के मंडल गांव के एक स्थानीय अस्पताल का है। इसमें सर्जिकल संक्रमण के बाद 20 पीडितों में से 12 का मेडिसिटी परिसर में एमएंडजे इंस्टीट्यूट ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी में इलाज जारी है। पुलिस ने ट्रस्टियों, डॉक्टरों और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। मंडल में श्री सेवा निकेतन ट्रस्ट के अधीन श्री रामानंद नेत्र अस्पताल का संचालन किया जाता है। यह अस्पताल तीन दशकों से अधिक समय से सर्जिकल नेत्र विज्ञान शिविर आयोजित कर रहा है। इस साल जनवरी में अस्पताल ने केवल चार दिनों में 103 मोतियाबिंद सर्जरी कीं। प्रति दिन औसतन 25 से अधिक सर्जरी हुईं। यह प्रमुख शहरों में तृतीयक स्तर के अस्पतालों में किए जाने वाले प्रदर्शन से भी अधिक है। उनके मरीज ज्यादातर ग्रामीण अहमदाबाद, सुरेंद्रनगर और पाटन से थे। इनमें से प्रत्येक मेहसाणा और बनासकांठा से था। 10 जनवरी को श्री रामानंद अस्पताल में दो दर्जन से ज्यादा मरीजों की आंखों की चिकित्सा की गई। इनमें 20 पीडितों में से पांच की आंखों की रोशनी पूरी तरह से चली गई थी। इनका मोतियाबिंद का ऑपरेशन किया गया था। संक्रमण के कारण अन्य की आंखों को अलग-अलग स्तर की क्षति हुई थी। यह घटनाक्रम गुजरात उच्च न्यायालय द्वारा 7 फरवरी को मामले की स्वतः संज्ञान लेते हुए सुनवाई करने से दो दिन पहले आया है। ग्रामीण अहमदाबाद की प्रभारी एसपी मेघा तेवर ने पुष्टि की कि अस्पताल के सभी ट्रस्टियों, दो डॉक्टरों और सहायकों के खिलाफ आईपीसी की धारा 337, 338 और 114 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। फिलहाल जांच जारी रही है। ये धाराएँ लापरवाही से जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाले कार्यों के माध्यम से क्रमशः चोट और गंभीर चोट पहुंचाने से संबंधित हैं। गंभीर रोगियों में संक्रमण स्यूडोमोनास एरुगिनोसा के कारण हुआ था। यह भारत की रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) निगरानी सूची में एक रोगजनक है। इन रोगियों के कल्चर सेंसिटिविटी नमूनों में एरुगिनोसा ने पुष्टि की थी कि यह एक हॉस्पिटल एक्वायर्ड इन्फेक्शन था। 9 सदस्यीय जांच टीम की प्राथमिक रिपोर्ट में संक्रमण नियंत्रण के साथ-साथ जनशक्ति और उस अस्पताल में बुनियादी ढाँचे की कमी थी जो ग्रामीण क्षेत्र में मैराथन नेत्र शल्य चिकित्सा कर रहा था। स्वास्थ्य विभाग के विशेषज्ञ पैनल ने अस्पताल परिसर से उसके उपकरणों सहित 49 सैंपल भी लिए थे। इन्हें संक्रमण नियंत्रण और संदूषण की जांच के लिए लैब में भेजा गया था।

कोडिनयुक्त कफ सीरप से भरा ट्रक पकड़ा

सौरबाजार (बिहार)– कोडिनयुक्त कफ सीरप से भरा ट्रक पकड़ा जाने का समाचार है। पुलिस ने मौके से दो युवकों को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बैजनाथपुर चौक से एक ट्रक को जांच के दौरान रोका। ट्रक की तलाशी लेने पर कोडिनयुक्त कफ सिरप की आठ सौ बोतल बरामद हुई। मौके से दो आरोपी युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने दोनों आरोपी युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। बताया गया है कि बैजनाथपुर पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि सौरबाजार की ओर से नशीली सीरप से भरा ट्रक बैजनाथपुर की ओर जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने दलबल के साथ बैजनाथपुर चौक पर आकर वाहनों की जांच शुरू कर दी। बैजनाथपुर की ओर से आ रहे ट्रक नंबर बीआर 01जी एन 2958 को रोक कर तलाशी ली गई। इसमें कई तरह ट्रांसपोर्टर के सामान थे। पुलिस टीम को ट्रक से प्रतिबंधित कोडिंनयुक्त कफ सिरप के 06 कार्टून (800 पीस) बरामद हुए। मौके से दो लोगों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार युवकों ने अपने नाम वैशाली जिला के कन्हौली विशन पाली गांव के नीरज कुमार एवं ताजपुर गांव के राजकुमार बताया। हालांकि, पुलिस ने प्रतिबंधित कफ सिरप को बरामद कर ट्रक को भी अपने कब्जे में ले लिया। दोनों युवकों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस संबंध में बैजनाथपुर पुलिस शिविर प्रभारी अरमोद कुमार ने पुष्टि की कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई थी। बैजनाथपुर चौक से एक ट्रक से 800 पीस प्रतिबंधित कोडिनयुक्त कफ सिरप बरामद किया है। दो लोगों को भी गिरफ्तारी किया गया है। गिरफ्तार युवकों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

दवा गोदाम से 44.5 लाख रुपये कीमत का कच्चा माल चोरी

ठाणे (महाराष्ट्र)– दवा गोदाम से 44.5 लाख रुपये कीमत का कच्चा माल चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। फिलहाल किसी की गिरफ्तारी का समाचार नहीं है। पुलिस अधिकारी के अनुसार ठाणे जिले में दवा कंपनियों को माल की सप्लाई करने वाली कंपनी के गोदाम से 44.5 लाख रुपये का कच्चे माल चोरी हो गया। इस बारे में शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर लिया है। शिकायत अनुसार नारपोली पुलिस स्टेशन में धारा 406 (आपराधिक विश्वासघात) और भारतीय दंड संहिता के अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अक्टूबर और नवंबर 2023 के बीच भिवंडी के रहनाल इलाके के गोदाम से 16 ड्रमों में रखा कच्चा माल चुरा लिया गया। बताया गया कि 13 ड्रम एक दवा कंपनी को सपलाई किए गए। इस दौरान पता चला कि दवा के कंटेनरों के साथ छेड़छाड़ की गई है। स्टॉक को किसी वैकल्पिक पदार्थ से बदल दिया गया था। पुलिस का कहना है कि फिलहाल कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है और मामले की जांच की जा रही है।

बदलाव

सभी सम्मानित पदाधिकारियों व सदस्यों भारत सरकार के जी एस टी विभाग ने पूरे देश में पिछले दिनों उन व्यापारियों को वर्ष 2017-18 से संबंधित नोटिस भेजे थे जिनके रिटर्न में कुछ कमियां थी। अब इस वर्ष के नोटिस देने की समय सीमा समाप्त हो चुकी है। इस तरह के नोटिस देने का प्रावधान जी एस टी एक्ट में पहले से ही मौजूद है। अब सरकार ने एक नोटिफिकेशन जारी कर वर्ष 2018-19 की रिटर्न में कमियों वाले व्यापारियों को नोटिस देने की समय सीमा 30/4/2024 तक व वर्ष 2019-20 की समय सीमा 31/8/2024 निर्धारित की है। इस आशय का नोटिफिकेशन पोस्ट कर रहा हूं। मेरा अनुरोध है कि ऐसे नोटिसों से घबराने की जरूरत नहीं है यह एक सामान्य प्रक्रिया है जो पूरे देश के उन व्यापारियों पर लागू है जिनके रिटर्न में कुछ कमियां रह गई हैं। हमें अगर नोटिस मिलता है तो उसका समुचित जवाब अपने अधिवक्ता के माध्यम से जी एस टी पोर्टल पर देना है और किसी को भी जी एस टी आफिस में जाने की आवश्यकता नहीं है। अगर फिर भी कोई भी समस्या हो तो व्यापार मंडल के अध्यक्ष एवं महामंत्री को अवगत करा सकते है।

– मनोज मिश्रा, मो० 9919247731, केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन, फर्रूखाबाद

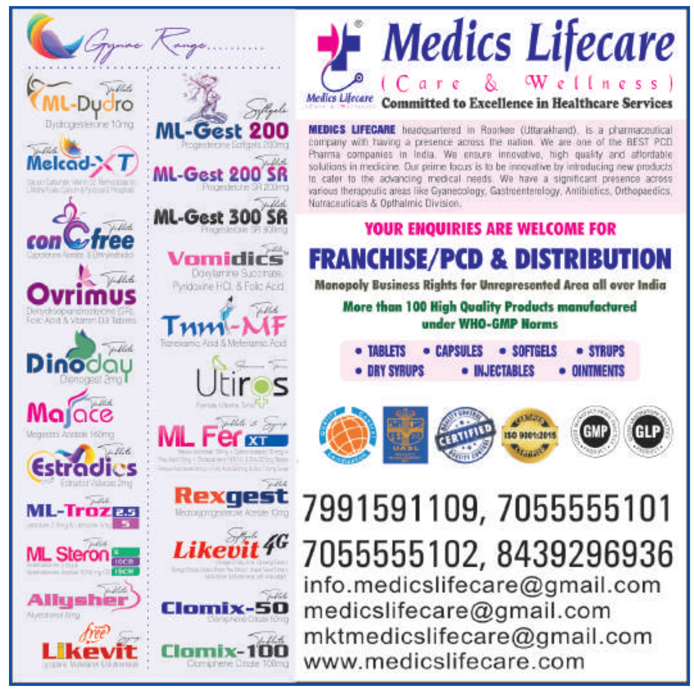

मेडिकल स्टोर पर छापामारी

तिकुनिया (उप्र)– मेडिकल स्टोर पर नशीली दवाओं की खेप बरामद हुई है। यह कार्रवाई ड्रग इंस्पेक्टर और एसएसबी ने संयुक्त रूप से छापा मारकर की। मेडिकल स्टोर संचालक को 20 दिन के अंदर अभिलेख पेश करने और तब तक दुकान बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। बता दें कि एसएसबी कमांडेंट दिनेश कुमार और ड्रग इंस्पेक्टर सुनील रावत ने कस्बे के अस्पताल चौराहे पर स्थित रेक्स मेडिकल स्टोर पर रेड की। सब सहायक कमांडेंट दिनेश कुमार ने बताया कि नशीली दवाओं अवैध बिक्री की शिकायत मिलने पर कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि इस दौरान दुकान से भारी मात्रा में इंजेक्शन पीटी जोकसिन, 78 नीटारडम टैबलेट, 199 प्रॉक्सी वन कैप्सूल, 1160 स्पाकस कैप्सूल समेत 55 कैप्सूल पीवान के पाए गए। इन्हें सीज कर दिया गया है। ड्रग इंस्पेक्टर ने बताया कि पांच दवाओं के सैंपल लिए हैं। इन्हें मेरठ जांच के लिए भेजा जाएगा। दवा दुकानदार को 20 दिनों के अंदर खरीद-फरोख्त का रिकॉर्ड पेश करने को कहा गया है।

पतंजलि के टूथपेस्ट की दिल्ली हाई कोर्ट ने मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली– पतंजलि का टूथपेस्ट दिव्य मंजन वेज या नॉनवेज होने के संबंध में दिल्ली हाई कोर्ट ने रिपोर्ट तलब की है। केंद्रीय आयुष मंत्रालय द्वारा गठित समिति से दवा उत्पादन में कच्चे माल को शाकाहारी, मांसाहारी या अन्य श्रेणियों के रूप में वर्गीकृत करने के लिए मानदंड निर्धारित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इस बारे में न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने समिति को 10 सप्ताह के भीतर अपनी सिफारिशें देने को कहा है। वकील यतिन शर्मा ने पतंजलि के खिलाफ केस दर्ज किया है। इसमें आरोप लगाया गया है कि पतंजलि अपने उत्पाद दिव्य मंजन में मांसाहारी सामग्री का प्रयोग कर रही है। उनका कहना है कि उत्पाद के लेबल पर शाकाहारी होने का दावा किया गया है। शर्मा ने कहा कि पतंजलि कंपनी अपने उत्पाद को गलत तरीके से पेश करके जनता को धोखा दे रही है। उनकी धार्मिक भावनाओं को नुकसान पहुंचा रही है। मंत्रालय की प्रतिक्रिया के अनुसार, 1945 के ड्रग्स और कॉस्मेटिक्स नियमों के नियम 161 में ऐसे किसी भी प्रावधान को शामिल नहीं किया गया है, जिसमें ऐसे संकेत या चिह्न का उल्लेख हो जो यह दर्शाता हो कि संबंधित उत्पाद में गैर- शाकाहारी वस्तुएँ हैं। बोर्ड ने पिछले साल बैठक के दौरान कच्चे माल को वर्गीकृत करने के लिए मानक स्थापित करने के लिए एक समिति बनाने का सुझाव दिया था। ऐसे कई धार्मिक, नैतिक और भौगोलिक कारक हैं जो इस बात को प्रभावित करते हैं कि कोई व्यक्ति शाकाहारी है या नहीं। कोर्ट ने कहा कि गठित समिति 10 सप्ताह के अंदर अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करे।

दवा दुकानदारों को नोटिस

रायबरेली– मेडिकल स्टोरों पर छापामारी के दौरान 12 दवाओं की बिक्री पर रोक लगा दी गई है। वहीं, 18 संच. ालकों को नोटिस थमाए गए हैं। यह छापामारी सलोन क्षेत्र में औषधि व आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने की। औषधि व आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने सलोन क्षेत्र में छह मेडिकल स्टोरों पर रेड की। टीम न अल्कोहल युक्त दवाओं की जांच करते हुए दुकानों से 12 दवाओं की बिक्री को प्रतिबंधित कर दिया। टीम ने चार संदिग्ध दवाओं के सैंपल भी लिए हैं। बताया गया कि स्टोरों में टिंचर व अल्कोहल युक्त दवाइयां बरामद नहीं हुईं। इस कार्रवाई के चलते 14 मेडिकल स्टोरों के शटर डाउन हो गए। टीम ने 18 मेडिकल स्टोर संचालकों को नोटिस भी थमाए हैं। डीएम के निर्देश पर गठित टीम में ड्रग इंस्पेक्टर शीवेंद्र प्रताप सिंह, सलोन के आबकारी निरीक्षक रूपेंद्र निर्मल और पुलिस ने छापामारी की। टीम ने सलोन क्षेत्र में मेडिकल स्टोरों पर दवाओं को जांचा। रवि मेडिकल स्टोर से एक दवा का सैंपल लेने के साथ तीन दवाओं की बिक्री पर रोक लगा दी। कौशल मेडिकल स्टोर में तीन दवाओं की बिक्री रोकते हुए एक दवा का सैंपल लिया। प्रगति मेडिकल स्टोर करहिया में तीन दवाओं की बिक्री रोकी गई। वहीं, कृष्णा मेडिकल स्टोर सलोन में दो दवाओं के सैंपल लेने के साथ तीन दवाओं की बिक्री रोकी। विजय फार्मा व गुप्ता मेडिकल स्टोर का भी निरीक्षण किया गया। किसी भी दुकान पर टिंचर व अल्कोहल युक्त दवाएं बरामद नहीं हुईं। प्रगति मेडिकल स्टोर से फिजीशियन सैंपल बरामद किए गए। छापामार टीम को देखकर सलोन और करहिया क्षेत्र में दवा विक्रेताओं में हडकंप मच गया। गौरव मेडिकल स्टोर, दीप मेडिकल स्टोर, आस्तीक मेडिकल स्टोर, अमित मेडिकल स्टोर, नवीन मेडिकल स्टोर, मिश्रा मेडिकल स्टोर, प्रकाश मेडिकल स्टोर, जनता मेडिकल स्टोर समेत 14 मेडिकल स्टोर संचालक शटर गिराकर चले गए। ड्रग इंस्पेक्टर शीवेंद्र प्रताप सिंह के अनुसार दुकानें बंद करके भागे 14 मेडिकल स्टोर संचालकों को नोटिस दिया गया है। इसके अलावा कौशल, प्रगति, कृष्णा व रवि मेडिकल स्टोर के संचालकों को भी खामियां मिलने पर नोटिस दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि जांच अभियान जारी रहेगा।

फार्मासिस्ट को बाहर से ड्रिप मंगाने पर किया सस्पेंड

वाराणसी– फार्मासिस्ट को मरीज के लिए बाहर से ड्रिप मंगाना महंगा पड़ गया। मामला संज्ञान में आने पर उसे सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं, प्रभारी चिकित्सक पर भी कार्रवाई किए जाने की तलवार लटक गई है। बांसडीह के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पर डीएम रविंद्र कुमार ने औचक निरीक्षण किया। अनियमितता पाए जाने पर उन्होंने फार्मासिस्ट को सस्पेंड करने और प्रभारी चिकित्सक पर विभागीय कार्रवाई के आदेश दिए। साथ ही मौके पर गैरहाजिर रहे खंड विकास अधिकारी का वेतन रोकने के लिए कहा है। डीएम ने सीएचसी के फार्मासिस्ट और प्रभारी चिकित्सक से स्वास्थ्य केंद्र के संचालन व खंड विकास अधिकारी कार्यालय के लेखाकार से व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। सीएचसी के निरीक्षण के दौरान आपातकाल कक्ष में अव्यवस्था मिली। मरीजों के बेड पर कंबल नहीं था। प्रभारी चिकित्सक पर विभागीय कार्रवाई करने का निर्देश एक तीमारदार ने बताया कि दवाएं और मरीज के लिए बोतल बाहर से मंगवाई गई है। इस पर जिलाधिकारी ने प्रभारी चिकित्सा और फार्मासिस्ट से नारा. जगी जताई। उन्होंने फार्मासिस्ट को सस्सेंड करने और प्रभारी चिकित्सक पर विभागीय कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसके अलावा, दवा स्टोर रूम में दवाओं को बेत. रतीब ढंग से रखने और साफ सफाई को लेकर भी जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने तीन दिन के अंदर साफ-सफाई और दवाओं की उपलब्धता की रिपोर्ट एसडीएम बांसडीह को देने को कहा। डीएम ने प्रभारी चिकित्सक को 15 दिनों में सारी व्यवस्थाएं सही करने के आदेश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान उपस्थिति, मूवमेंट और ग्रांट रजिस्टर की जांच भी की गई। खंड विकास अधिकारी हस्ताक्षर करके मौके से गायब मिले। जिलाधिकारी ने उनका वेतन रोकने के लिए कहा है। जब ग्रांट रजिस्टर चेक किया तो पता चला कि विभिन्न मदों जैसे सांसद निधि, विधायक निधि, केंद्र और राज्य वित्त में आवंटित धनराशि डंप पड़ी है। उन्होंने उसके खर्च के बारे में खंड विकास अधिकारी से पूरी कार्य योजना मांगी है।

एफडीए ने फर्जी दवा रैकेट का भंडाफोड़ किया

मुंबई– एफडीए ने फर्जी दवा रैकेट का भंडाफोड़ कर सरकारी अस्पताल से 21600 गोलियां बरामद की हैं। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने नागपुर के एक सरकारी अस्पताल में छापामारी की। मौके से 21,600 गोलियां जब्त की गई हैं। एफडीए अधिकारी ने बताया कि ये गोलियां एंटीबायोटिक सिप्रोफ्लोक्सासिन हैं। इस बरामदगी में ठाणे निवासी एक व्यक्ति समेत तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एफडीए के एक अधिकारी ने बताया कि जब्त की गई दवाइयां बीते साल सरकारी अनुबंध प्रक्रिया के तहत खरीदी गई थी। इसे हाल ही में इंदिरा गांधी सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल से जब्त किया गया। यह जिले में सरकारी सुविधाओं के लिए दवाओं की सप्लाई करता है। करोड़ों रुपये मूल्य की सिप्रोफ्लोक्सासिन की नकली गोलियां महाराष्ट्र के कई सरकारी अस्पतालों में सप्लाई की गई थीं। पुलिस के अनुसार, मार्च 2023 में एफडीए ने नागपुर के कलमेश्वर तहसील में एक सरकारी स्वास्थ्य सुविधा केंद्र से सिप्रोफ्लोक्सासिन गोलियों के सैंपल लेकर इन्हें जांच के लिए लैब में भेजा था। दिसंबर 2023 में आई रिपोर्ट से पता चला कि गोलियां नकली हैं। इनमें सिप्रोफ्लोक्सासिन नामक तत्व मौजूद ही नहीं था।

भारतीय फार्मा क्षेत्र की दुनियाभर में बेहतर इमेज

नई दिल्ली– भारतीय फार्मा क्षेत्र की दुनियाभर में बेहतर इमेज बनी हुई है। हालांकि, खराब गुणवत्ता वाली दवाओं के निर्यात को लेकर कई देशों में मौत के समाचार मिले। इनसे विपक्ष ने आरोप भी लगाए। सरकार ने राज्यसभा में इन आरोपों का खंडन किया है। सरकार का दावा है कि भारतीय फार्मा क्षेत्र की छवि दुनिया भर में बरकरार है और वह विश्व का फार्मेसी बनकर उभरा है। वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों के जवाब दिए। उन्होंने कहा कि विश्व में भारत के फार्मेसी क्षेत्र की बेहतर छवि है और इसका प्रमाण भारत से दवाइयों के निर्यात में लगातार वृद्धि है। अप्रैल 2023 से दिसंबर 2023 के दौरान भारत से दवाइयों के निर्यात में 8.19 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पटेल ने कहा कि कोविड–19 महामारी के दौरान लॉकडाउन के बावजूद भारतीय फार्मा क्षेत्र ने 100 से अधिक देशों में टीकों और अन्य दवाइयां सप्लाई की। मात्रा के लिहाज से भारत का फार्मा क्षेत्र दुनिया में तीसरे नंबर पर है, वहीं मूल्य के मामले में यह 14वें स्थान पर है। उन्होंने कहा कि अभी भारतीय फार्मा क्षेत्र 55 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य का है। इसे 2030 तक बढ़ाकर 130 अरब डॉलर का बनाने का लक्ष्य है। उन्होंने इस बात को स्वीकारा कि घटिया दवाइयों के निर्यात की कुछ घटनाएं हुई हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस मामले में जरूरी कदम भी उठाए हैं।

फरवरी एवं मार्च माह के व्रत एवं त्यौहार

13.02.2024	चतुर्थी
14.02.2024	बसंत पंचमी
17.02.2024	अष्टमी
18.02.2024	नवमी
19.02.2024	दशमी
20.02.2024	एकादशी व्रत
22.02.2024	त्रयोदशी
23.02.2024	चतुर्दशी
24.02.2024	पूर्णिमा
28.02.2024	गणेश चतुर्थी
29.02.2024	पंचमी
04.03.2024	अष्टमी
06.03.2024	एकादशी
08.03.2024	महाशिवरात्रि
10.03.2024	अमावस्या

नशीली दवाएं बरामद

सोलन– नशीली दवा की खेप के साथ तीन युवकों को गिरफ्तार करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने चंबाघाट में तीन युवकों से नशीली दवाएं बरामद की हैं। तीनों को गिरफ्तार कर आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। पुलिस के अनुसार गुप्त सूचना मिली कि चंबाघाट के एक भवन में कुछ युवक नशीली दवाओं की गोलियों का अवैध व्यापार कर रहे हैं। सूचना के आधार पर मौके पर छापामारी की। पुलिस ओम ने आरोपी युवक गौरव के कमरे की तलाशी ली। इस दौरान नेपाल के मूल निवासी गौरव, मध्य दिल्ली के निवासी सलमान चौधरी और बिहार के निवासी मोहम्मद ईकरम मौजूद पाए गए। टीम को जांच के दौरान कमरे से 990 गोलियां टेप्ड्रो–100, टेपेंटाडोल–100 एमजी बरामद हुई। इसके अलावा 50,600 रुपये भी मौके से बरामद किए हैं। सोलन के एसपी गौरव सिंह ने बताया कि तीनों आरोपी युवकों से नशीली दवाएं कब्जे में ले ली गई हैं। उनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। वहीं, दवा निरीक्षक के संज्ञान में भी इस मामले को ला दिया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जन्मदिन पर ढेर सारी हार्दिक शुभकामनाएं

SHRI NARESH R. WANI JI	JALGAON	10/02/1973	9822051190
SHRI HARENDRA SINGH JI	BULANDSHAHR	10/02/1981	9927474340
SUDARSHAN C. HULLE JI	KOLHAPUR	12/02/1978	9423800596
SHRI KIRAN P. PATIL JI	JALGAON	14/02/1962	9226758586
SHRI SHIVAJI B. THORAT JI	NASHIK	14/02/1966	9850581605
SHRI JITENDRA AGARWAL JI	GONDIA	15/02/1988	9595190822
SHRI MAHESH S. YEOLE JI	JALGAON	15/02/1972	9860665376
SHRI JITENDRA SINGH PARMAR JI	SURAT	18/02/1966	9925172584
SHRI RAJENDRA J. KASLIWAL JI	NASHIK	19/02/1968	9422271630
SHRI MOHIT D. BAUSKAR JI	JALGAON	19/02/1998	9923388531
SHRI DEEPAK PATIL JI	JALGAON	20/02/1977	9028103888
SHRI DHOMASE AMOH KERBHAU JI	PUNE	22/02/1986	9960843929
SHRI VINIT S. CHHAJED JI	DHULE	24/02/1988	9823097511
SHRI GANESH PAWAR JI	PUNE	25/02/1975	9049454244
SHRI SANDIP D. NIKAM JI	NASHIK	25/02/1977	7588555799
Shri VIKRAM A. CHANDANI JI	AHMEDABAD	25/02/1985	9601010009
SHRI MILAN RAMTEKKAR JI	GONDIA	28/02/1973	9823387739
SHRI CHETAN S.KHODKE JI	JALGAON	28/02/1990	9730743642
SHRI RAKESH JAKHAR JI	AMBALA	01/03/1974	9812435615
MR. YOGESH JI	MEERUT	01/03/1983	8273668564
SHRI SUMIT P. BORA	DHULE	01/03/1988	9923430447
SHRI MOHIT AGARWAL JI	AGRA	01/03/1989	9720066158
SHRI AMOL S. BADGUJAR JI	JALGAON	02/03/1979	9405097518
NISAR AHMED JI	DHULE	03/03/1977	9270708180
MR. REHMAN JI	MEERUT	03/03/1989	9027178860
SHRI SAGAR AHAR JI	NASHIK	04/03/1990	7588173388
SHRI GANESH CHAND GOYAL JI	AGRA	05/03/1970	9412550823
DR. BIJENDRA SINGH JI	BULANDSHAHR	05/03/1973	9758547172
DR. RAJ KUMAR GUPTA JI	BULANDSHAHR	05/03/1979	9027966650
SHRI RAJ KUMAR GUPTA JI	BULANDSHAHR	05/03/1979	9027966650
DR. Z.A. JI	MEERUT	06/03/1986	9837153352
SHRI JITENDRA P.PUROHIT JI	TAPI	07/03/1986	9725978331
SHRI PUNIT THAKKAR JI	NAGPUR	08/03/1975	9823275620
SHRI VAIBHAV SHAH JI	SURAT	09/03/1979	9825411131
SHRI ASHWANI MALIK JI	KARNAL	09/03/1960	8689000676
SHRI GANESH C. PATIL JI	JALGAON	09/03/1986	9561727946
SHRI MUNAF BHAI JI	SURAT	10/03/1987	9173373700
DR. LALIT KUMAR JI	BULANDSHAHR	10/03/1988	9756484621

जीवन में सत्यम् शिवम् सुंदरम् को आकर्षित करने के लिए हमें स्वयं को इनके अनुरूप बनाना ही होगा

खलील जिब्रान कहते हैं कि तुम्हारा शरीर तुम्हारी आत्मा का सितार है। यह तुम्हारे हाथ में है कि तुम उससे मधुर संगीत झंकृत करो अथवा कर्कश बेसुरी आवाजें निकालो। गोपालदास नीरज भी अपने एक दोहे में ऐसा ही कुछ कहते हैं: **जैसा हो आघात रे वैसा बजे सितार, तेरी ही आवाज़ की प्रतिध्वनि है संसार।** हम वाद्ययंत्रों पर जैसा आघात करते हैं वैसी ही ध्वनि उनसे निकलती है। यदि कठोरता से आघात करते हैं तो कठोर ध्वनि उत्पन्न होती है लेकिन यदि कोमलता से आघात करते हैं तो कर्णप्रिय कोमल ध्वनि उत्पन्न होती है। यदि हम किसी वाद्ययंत्र को नियमपूर्वक ठीक से बजाते हैं तो सही राग उत्पन्न होता है अन्यथा सही राग उत्पन्न होने का प्रश्न ही नहीं उठता। सही राग उत्पन्न न होने की स्थिति में गुणीजन हमारे गायन अथवा वादन की ओर आकर्षित ही नहीं होंगे। हमारी साधना निरर्थक हो जाएगी। हमारे जीवन रूपी सितार की भी यही स्थिति होती है। यदि हम अनुशासन में रहते हुए प्रत्येक कार्य नियमानुसार करते हैं तो जीवन रूपी सितार से उत्पन्न होने वाला प्रत्येक राग रूपी कार्य हमें सार्थकता व आनंद ही प्रदान करेगा। अगली पंक्ति में नीरज कहते हैं कि तेरी ही आवाज की प्रतिध्वनि है संसार। इस संसार में हम जो कुछ सोचते, कहते अथवा करते हैं वही हमारे पास लौटकर आता है। न कम न अधिक। जब हम किसी खण्डहर अथवा वादी में कोई शब्द अथवा वाक्य ज़ोर से बोलते हैं तो वो शब्द अथवा वाक्य आसपास की दीवारों अथवा पहाड़ियों से टकराकर हमारे पास लौट आता है। यदि हम कोई अच्छा शब्द या वाक्य बोलते हैं तो कुछ देर बाद वही अच्छा शब्द या वाक्य हमें सुनाई पड़ता है और यदि हम कोई बुरा, अपमानजनक अथवा घृणास्पद शब्द या वाक्य बोलते हैं तो कुछ देर बाद वही बुरा, अपमानजनक अथवा घृणास्पद शब्द या वाक्य हमें सुनाई पड़ता है। यदि हम सुरीली आवाज निकालते हैं तो वैसी ही सुरीली आवाज लौटकर आती है लेकिन यदि हम डरावनी आवाज निकालते हैं तो वैसी ही डरावनी आवाज लौटकर आती है। लौटकर आई सुरीली आवाज हमें आनंदित कर देती है जबकि डरावनी आवाज हमें भयभीत कर देती है। हम जैसा एक बार बोलते हैं वैसा ही कई बार सुनने को धान्य अथवा अभिशप्त होते हैं। यही हमारे व्यावहारिक अथवा वास्तविक जीवन में होता है। हम समाज अथवा लोगों को जो देते हैं वही हमारे पास लौटकर आता है। हम लोगों से प्यार करते हैं तो लोग भी हमें प्यार करते हैं लेकिन यदि हम लोगों से घृणा करते हैं तो वे भी हमसे घृणा ही करेंगे इसमें संदेह नहीं। जो लोग अच्छे कार्य करते हैं पुरस्कार व प्रंशसा पाते हैं। बुरे कार्य करने वाले न केवल दण्डित होते हैं अपितु अपमान भी –झेलते हैं। यदि हम सबके साथ सहयोग करते हैं तो दूसरे भी हमारे प्रति सहयोगात्मक हो जाते हैं। यदि हम ईमानदार हैं तो ईमानदार लोग हमसे जुड़ने लगेंगे। इसे आकर्षण का नियम कहा गया है। हम जैसे होते हैं वैसी ही चीज़ें हमारी ओर आकर्षित होती हैं। गंदगी मक्खी को आकर्षित करती है तो फूल तितली को आकर्षित करते हैं। मक्खी गंदगी पर आकर बैठती है तो तितली फूल पर आकर बैठती है। यदि हम स्वयं को फूल जैसा सुंदर, सुवासित, मसृण व रंगीन अर्थात् सुंदर गुणों से युक्त बना लेंगे तो स्वाभाविक है कि समाज के सुंदर व्यक्ति हमारी ओर आकर्षित होंगे ही। एक दोहा याद आ रहा है :

सुंदर–सुंदर तितलियाँ आएँगी उड़ पास,
फूलों जैसे रंग रख फूलों सी बू–बास।

यदि हम अपने अंदर अच्छे गुणों और आदतों का विकास करेंगे तो अच्छे लोगों का साथ मिलेगा जिससे हमारा जीवन हर प्रकार की उत्कृष्टता प्राप्त कर सकेगा। यदि हमारी गलत आदतों व स्वभाव के कारण गलत लोग हमारी ओर आकर्षित होंगे तो हमारा सर्वनाश निश्चित है। यदि हम चाहते हैं कि हमारे संपर्क में केवल अच्छे लोग ही आएं तो हमें स्वयं को उनके अनुरूप बनाना होगा। अपने व्यवहार को व्यवस्थित व आदतों को अच्छा करना होगा। अपनी वाणी को कोमल व मधुर बनाना होगा। मात्र बाहर से नहीं मन की गहराइयों में स्वयं को सुंदर बनाना होगा। यदि हम मन से सुंदर बन पाते हैं तो विचार और कर्म स्वयं सुंदर हो जाएंगे। जीवन रूपी सितार ठीक बजने लगेगा। जिस प्रकार से सितार अथवा अन्य कोई भी वाद्ययंत्र ठीक से बजाने के लिए पर्याप्त जानकारी व अभ्यास अपेक्षित है, जीवन रूपी सितार को ठीक से बजाने के लिए भी जीवन जीने की तैयारी अथवा सद्गुणों को साधाना अनिवार्य है।

– सीताराम गुप्ता, ए.डी. 106 सी., पीतमपुरा, दिल्ली – 110034, मो॰ 9555622323, Email : srgupta54@yahoo.co.in.

एनपीपीए ने बुखार, दर्द और शुगर की दवाइयां की सस्ती, मरीजों को राहत

वाराणसी– एनपीपीए ने बुखार, दर्द, शुगर, हार्ट और जोड़ों के दर्द निवारक तेल, इन्फेक्शन की दवाइयां सस्ती कर दी है। सरकार के इस फैसले से मरीजों को राहत मिली है। बता दें कि केंद्र सरकार ने 39 फॉर्मुलेशन के दाम तय किए हैं। वहीं चार स्पेशल फीचर उत्पादों को भी मंजूरी दी गई है। नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइजिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) ने इसके लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। एनपीपीए ने दवाओं की कालाबाजारी रोकने के लिए 39 फॉर्म्यूलेशन के दाम तय किए हैं। एनपीपीए ने अधिसूचना जारी करके बताया है कि कौन सी दवाएं इस सूची में शामिल की गई है। इसमें डायबिटीज, पेन किलर, बुखार और हार्ट, जोड़ो के दर्द की दवाइयां अब सस्ती होगी। इनके इलावा चार स्पेशल फीचर उत्पादों को भी मंजूरी दे दी गई है। गौरतलब है कि सर्दी, जुकाम, बुखार व जोड़ों के दर्द से तकरीबन सभी लोग ग्रस्त रहते हैं। इन दवाइयों को खरीदने में काफी पैसा जाया हो जाता है। सरकार ने आमजन को राहत प्रदान करने के लिए दवाओं को सस्ता करने का फैसला लिया है।

जिला अस्पतालों में अंगदान के लिए जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई

नई दिल्ली: अंगदान के लिए इंतजार कर रहे लोगों की संख्या चिंताजनक है, इस बात को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई, जिसमें केंद्र और राज्यों को सभी सरकारी अस्पतालों में अंगदान के लिए बुनियादी ढांचा और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश देने की मांग की गई है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने एक एनजीओ द्वारा दायर जनहित याचिका पर केंद्र, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह और वकील वरुण ठाकुर ने अदालत के ध्यान में लाया कि जिला स्तर पर सरकारी अस्पतालों में कोई उचित बुनियादी ढांचा नहीं है जबकि ऐसी सुविधाएं राजधानी शहरों में उपलब्ध हैं। याचिकाकर्ता एनजीओ, गवेषणा मानवोत्थान पर्यावरण एवं स्वास्थ्य जागरूकता समिति ने अपनी याचिका में मृत्यु के बाद अंगदान करने की लोगों की इच्छा के बारे में 2018 में किए गए एक अध्ययन का हवाला दिया और अदालत को बताया कि कोलंबिया और भारत में क्रमशः 75% और 74% के साथ मृत्यु के बाद अंगदान करने के इच्छुक लोगों का प्रतिशत सबसे अधिक है, जो स्पेन (72%), यूके (67%) और जर्मनी (53%) से आगे है। लेकिन अंगदान के लिए अस्पताल में बुनियादी ढांचे और सुविधाओं की कमी है, याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि असंख्य लोग अपनी जान गंवा रहे हैं और अपने अंग दान करने के लिए आगे आने वाले लोगों को चिकित्सा संस्थानों में बुनियादी ढांचे की कमी के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। याचिका में कहा गया है, अनुमान है कि भारत में दुर्घटनाओं के कारण होने वाली मस्तिष्क मृत्यु की कुल संख्या लगभग 1.5 लाख प्रतिवर्ष है। मस्तिष्क मृत्यु के अन्य कारण भी इस संख्या में वृद्धि करेंगे। हालांकि, अंगदान की दर प्रति मिलियन जनसंख्या पर 0.86 है। 2022 में भारत में किए गए मृतक प्रत्यारोपणों की कुल संख्या केवल 1,589 किडनी, 761 लीवर और 250 हृदय थी, जो मानव अंग दान की मांग के विपरीत है। लगभग 5 लाख अंगों की आवश्यकता है। मुश्किल से 2-3% मांग पूरी हो पाती है, और भारत भर में हर साल कई लोग अंग विफलता से मर जाते हैं। समस्या को मापते हुए - हर साल प्रत्यारोपण के लिए लगभग 200,000 किडनी, 50,000 हृदय और 50,000 लीवर की आवश्यकता होती है। अंगदान और प्रत्यारोपण के आंकड़ों (2013-2022) और NOTTO की रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने वर्ष 2022 में 16,041 प्रत्यारोपण किए हैं। इसमें कहा गया है, याचिकाकर्ता ने यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देश देने की मांग की है कि सभी सरकारी या अर्ध-सरकारी मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल मानव अंग प्रत्यारोपण (संशोधन) अधिनियम 2011 की धारा 14 और 14-ए के तहत सभी आवश्यकताओं को पूरा करें, और उसके बाद ऐसे सभी अस्पतालों को राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (NOTTO) के साथ पंजीकृत होना चाहिए और सरकारों को प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में अधिनियम की धारा 13, के अनुसार सलाहकार समितियों का गठन करने के लिए निर्देश दिया जाना चाहिए।

ब्लड प्रेशर की दवा बंद करने पर पड़ रहा ब्रेन स्ट्रोक

कानपुर- ब्लड प्रेशर यानी बीपी की दवा बंद करने और फॉलोअप में चेक अप नहीं कराने से ब्रेन स्ट्रोक दोबारा पडने के मामले सामने आने लगे हैं। इस रोग के पीडितों को सावधानी बरतने की खास रूरत है। हैलट इमरजेंसी में तीन रोगियों को गंभीर हालत में भर्ती किया गया। इनको ब्लड प्रेशर की दवा बीच में बंद करने से दोबारा ब्रेन स्ट्रोक पड़ा था। इसी तरह ब्लड प्रेशर अनियंत्रित होने से 38 रोगियों को हार्ट अटैक आया। निमोनिया से दो रोगियों की मौत हो गई है। हैरानी की बात है कि मात्र 10 घंटे में हैलट इमरजेंसी में ऐसे 30 रोगियों को भर्ती किया गया। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ. विशाल कुमार गुप्ता ने बताया कि ब्लड प्रेशर की दवा बंद करने और फॉलोअप में चेक अप नहीं कराने से रिपीट ब्रेन स्ट्रोक के रोगी आ रहे हैं। तीन रोगियों को भर्ती किया गया है। वायरल संक्रमण के रोगियों की भी संख्या बढ़ गई है। इससे सांस रोगियों को निमोनिया हो रहा है। विंटर डायरिया के रोगी भी आ रहे हैं रावतपुर निवासी जगन्नाथ (54) और जरीब चौकी क्षेत्र के रहने वाले नारायण (61) की वायरल संक्रमण के बाद निमोनिया से मौत हो गई। एलपीएस कार्डियोलॉजी इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रोफेसर राकेश वर्मा ने बताया कि ओपीडी में 1106 रोगी आए। इमरजेंसी में 58 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। हार्ट अटैक की पुष्टि होने पर 38 रोगियों को भर्ती करके इलाज किया जा रहा है।

नशीली दवा का मकान में मिला अवैध भंडार, एक गिरफ्तार

उदयपुरवाटी (राजस्थान)- नशीली दवा का मकान में अवैध रूप से भंडार करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मकान पर छापा मारकर जांच की तो उसमें विभिन्न कंपनियों की नशीली दवा, गोलियां, कैप्सूल, सिरप का भंडार मिला। पुलिस ने इन अवैध दवाओं को बरामद कर आरोपी पवन कुमार दायमा को गिरफ्तार कर लिया है। नशे के रूप में इस्तेमाल की जाने वाली दवा के अवैध कारोबार का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने एक उदयपुरवाटी के एक मकान पर छापा मारकर अवैध रूप से रखी दवाएं जब्त की हैं। इन दवाओं की कीमत 35 लाख रुपए बताई गई है। मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि उदयपुरवाटी के वार्ड नंबर 14 में सरकारी अस्पताल के सामने पवन कुमार दायमा ने मकान में नशीली दवाइयां रखी हुई है। सूचना पर पुलिस की टीम ने बताए गए मकान में दबिश की । इस दौरान मकान में विभिन्न कंपनियों की नशीली दवाइयों, गोलियां, कैप्सुल, सिरप का भंडार मिला। पुलिस ने इन दवाओं को जब्त कर आरोपी पवन कुमार दायमा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी ने घर के सामने मेडिकल स्टोर कर रखा है। बताया गया है कि आरोपी ने सरकारी अस्पताल के सामने अपना मेडिकल स्टोर किया हुआ है। आरोपी ने नकली दवाओं को घर के एक कमरे में भंडार कर रखा था। जरूरत पडने पर वह इन दवाओं को मेडिकल स्टोर पर लाकर ग्राहकों को दे देता था।

बाहरी मरीज से दोगुना पैसा वसुलेंगे बीएमसी के अस्पताल, दवा भी नहीं मिलेगी फ्री, रहें अलर्ट

मुंबई- बाहरी मरीज से अब बीएमसी यानि मुंबई के अस्पतालों में ज्यादा शुल्क लिया जाएगा। वहीं, मुंबईकरों के अलावा किसी को भी बीएमसी अस्पतालों में फ्री दवा नहीं मिलेगी। बीएमसी कमिश्नर आई.एस. चहल ने वर्ष 2024-25 का बजट पेश किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि मुंबईकरों के अलावा किसी को भी बीएमसी अस्पतालों में मुफ्त दवा नहीं दी जाएगी। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि बाहर से आने वाले मरीजों से डबल शुल्क वसूला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बीएमसी ने पूरे देश के मरीजों का ठेका नहीं ले रखा है। बीएमसी को टैक्स मुंबईकर देते हैं, इसलिए बाहर के लोगों को ज्यादा शुल्क देना होगा। चहल ने कहा कि मीरा-भाईंदर , वसई-विरार, पालघर, ठाणे, भिवंडी, कल्याण और नवी मुंबई के मरीजों को भी अतिरिक्त शुल्क देना होगा। बीएमसी के बजट में कहा गया है कि मुंबईकरों द्वारा मिलने वाले टैक्स का बड़ा हिस्सा स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च किया जाता है। महाराष्ट्र के बाहर से इलाज कराने आने वाले मरीजों से अलग से शुल्क वसूलने के लिए विचार करना जरूरी है। इसके लिए स्टडी की जाएगी। बता दें कि मुंबई में बीएमसी के केईएम, नायर, सायन और कूपर बड़े अस्पताल हैं। जबकि उपनगरों में 16 अस्पताल हैं। इनमें मुंबई सहित देश के अन्य राज्यों से आने वाले लाखों मरीजों का प्रतिदिन इलाज होता है। उधर, मुंबई के बाहर से आने वाले मरीजों से अतिरिक्त शुल्क वसूलने की घोषणा का विरोध शुरू हो गया है। सत्ताधारी मुंबई बीजेपी के अध्यक्ष आशीष शेलार से लेकर विपक्षी कांग्रेस और सपा ने बाहरी मरीजों से ज्यादा शुल्क वसूलने की घोषणा पर विरोध जताया है। बीजेपी ने कहा है कि यदि बीएमसी ने अपनी घोषणा को वापस नहीं लिया तो वह इसकी शिकायत उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से करेंगे। विपक्ष ने भी सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है।

सर्वाइकल कैंसर से देश में रोजाना 211 महिलाओं की मौत

नई दिल्ली- सर्वाइकल कैंसर देश में रोजाना 211 महिलाओं की जान ले रहा है। हाल के बरसों में सर्वाइकल कैंसर एक महामारी की तरह फैल रहा है। केंद्र सरकार ने इस बार के अंतरिम बजट में महिलाओं की सेहत को लेकर काफी ध्यान देने की बात कही है। वित्त मंत्री निर्मला सीता. रमण ने बजट में सर्वाइकल कैंसर को रोकने के लिए देशभर में वैक्सीनेशन अभियान चलाने का ऐलान किया है। महिलाओं के लिए दूसरी सबसे खतरनाक बीमारी सर्वाइकल कैंसर है। महिलाओं में हर तरह के कैंसर के करीब 18 प्रतिशत मामले सामने आते हैं। हर साल करीब 1 लाख 20 हजार नए मामले सर्वाइकल कैंसर के आते हैं। इसमें 77 हजार से ज्यादा महिलाओं की मौत हो जाती है। यानी हर रोज करीब 211 महिलाएं सर्वाइकल कैंसर से जान गंवाती हैं। देश में सर्वाइकल कैंसर की जांच एक फीसदी महिलाएं ही कराती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि कम से कम 70 प्रतिशत महिलाओं की सर्वाइकल कैंसर की जांच होनी चाहिए। सर्वाइकल कैंसर के कारण हर साल हजारों महिलाओं की जान जा रही है। हालांकि, इससे बचाव के लिए वैक्सीन उपलब्ध है। अगर सही उम्र में इस वैक्सीन को लगवा लिया जाए तो इस गंभीर बीमारी को 98 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। सर्वाइकल कैंसर यूट्रस के सर्विक्स में होता है। इस बीमारी के लक्षण भी जल्दी नहीं दिखते हैं। केवल जांच कराने पर ही इसका पता चल पाता है। दुनिया के कई देशों में इस बीमारी से बचने के लिए मुफ्त वैक्सीन लगवाई जाती है। ये बीमारी किसी भी उम्र में महिलाओं को हो जाती है। अगर इस बीमारी से बचने के लिए वैक्सीन ही एकमात्र इलाज है। इस जानलेवा बीमारी से बचाव के लिए सरकार ने बच्चियों को इसकी वैक्सीन लगाने का फैसला किया है।

औषधि विभाग ने की छापेमारी, दवा कारोबारियों में मचा हडकंप

महराजगंज- औषधि विभाग ने नगर पालिका नौतनवा में कई मेडिकल स्टोरों पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान प्रतिबंधित एवं नशीली दवाओं की जांच की गई। एक के बाद एक कई दवा दुकानों पर छापेमारी के चलते अन्य दवा कारोबारियों में हडकंप मच गया। कई दुकानदार दुकान का शटर गिराकर फरार हो गए। जांच के दौरान दुकानदारों को नशे के रूप में इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं को जरूरत अनुसार ही लोगों को देने की हिदायत दी गई। उन्हें बताया गया कि डॉक्टर की पर्ची देखकर ही सिरप दें और उसे रजिस्टर में मेंटेन करने का निर्देश दिया गया। टीम में सीओ जयप्रकाश तिवारी, आबकारी निरीक्षक अखिलेश कुमार और राजकुमार गौतम सहित कई पुलिसकर्मी शामिल रहे। ड्रग इंस्पेक्टर शिवकुमार नायक के अनुसार कस्बे में प्रतिबंधित दवा और नशीली दवाओं का कारोबार बढ़ गया है। इसकी शिकायत जिला प्रशासन को मिली है। नशे पर नकेल कसने के लिए डीएम ने टीम गठित की। टीम ने करीब आधा दर्जन मेडिकल स्टोर्स पर रेड कर प्रतिबंधित व नशीली दवाओं की जांच की। हालांकि, टीम को जांच में कुछ गलत नहीं मिला।

अस्पताल संचालक समेत चार पर एफआईआर दर्ज

आगरा- अस्पताल संचालक व चिकित्सक समेत चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। हरीपर्वत थाना क्षेत्र के रवि वूमेन हॉस्पिटल पर धोखाधड़ी से पैसे हड़पने और गर्भपात कराने के गंभीर आरोप लगे हैं। बताया गया है कि आगरा के मधुनगर की निवासी प्रियंका ने कोर्ट के जरिए हरीपर्वत थाने में केस दर्ज करवाया है। प्रियंका के अनुसार वह 17 अक्टूबर 2020 को गर्भधारण के इलाज के लिए रवि वुमन हॉस्पिटल में गई और डॉ. रजनी पचौरी तथा डॉ. पल्लवी भटनागर से सलाह ली। उसे बताया गया कि आईवीएफ का 2.70 लाख रुपये का पैकेज है। उसे आईवीएफ के जरिए गर्भधारण करने के तीन चांस दिए जाएंगे। इसके लिए उन्होंने 2.70 लाख रुपये जमा करा लिए। आरोप है कि पहली बार गर्भधारण न होने पर दूसरी बार गर्भधारण के लिए पैकेज में कहा गया था। इसके बाद भी पैसे जमा कराए गए और गर्भपात किया गया। इस तरह करीब 10 लाख रुपये जमा करा लिए गए। कोर्ट के आदेश पर थाना हरीपर्वत में रवि वूमेन हॉस्पिटल के संचालक डॉ.रवि मोहन पचौरी, डॉ. रजनी पचौरी, डॉ.पल्लवी भटनागर और अकाउंटेंट अंशुल सिंह के खिलाफ धोखाधड़ी, गर्भपात कराने सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। उधर, रवि वूमेन हॉस्पिटल के संचालक डॉ. रवि मोहन पचौरी का कहना है कि इस मामले में सीएमओ से जांच कराई गई है। टीम ने सभी आरोपों को निराधार बताया है। पुलिस जांच में भी यह बात सामने आ जाएगी। हमने इस मामले में मरीज के साथ कोई धोखाधड़ी नहीं की है।

गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर- मेडिकल एजेंसी की आड़ में प्रतिबंधित नशीली दवाइयों की सप्लाई करने का मामला पकड़ में आया है। इस अवैध धंधे में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में तीन मेडिकल एजेंसी संचालक भी शामिल हैं। आरोपियों की दो गाडियों को कब्जे में लिया है। शहर कोतवाली पुलिस ने नशा सप्लाई की गुप्त सूचना मिली थी। इस पर सहायक पुलिस अधीक्षक व्योम बिंदल व विनायक भोसले के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। टीम ने रुडकी रोड पीर के पास से दो गाड़ियों में सवार पांच आरोपियों अंबा विहार निवासी शाजेब, भोकरहेड़ी भोपा निवासी मोहम्मद फैज, गांधी कॉलोनी मुजफ्फरनगर निवासी निखिल, रामलीला टीला निवासी अनुज व शांतिनगर निवासी धीरज गर्ग को गिरफ्तार किया। आरोपियों व उनकी गाडियों से 1920 नशीले कैप्शूल, 900 इंजेक्शन व 23 लाख 69800 रुपये बरामद किए हैं। आरोपियों के दो अन्य साथियों अक्षय व अंकित शर्मा की तलाश जारी है। यह गिरोह यूपी के अलावा हरियाणा व उत्तराखंड राज्य में भी प्रतिबंधित नशीली दवाइयों की सप्लाई करता था। गिरफ्तार तीन आरोपी मेडिकल एजेंसी के संचालक हैं। अपनी एजेंसी के नाम पर ये अपने साथियों के साथ मिलकर नशीली दवाओं की सप्लाई का धंधा कर रहे थे। गिरफ्तार आरोपी निखिल, धीरज गर्ग की अपनी व शाजेब के भाई की मेडिकल एजेंसी है। पुलिस ने फिलहाल गिरफ्तार किए गए सभी आरो. पियों के खिलाफ केस दर्ज कर दिया है। इनके फरार साथियों की तलाश की जा रही है।

DARVINCARE DERMAVISION
ACNEDERV FOAMING FACE WASH
Lulizex Luliconazole 1% w/w Cream 20 GM
Glowzex
Minozex 5%
Ketoderv-Plus
Skinlong
Isoderv-20
Skinlong SPF 50 Sun Screen Lotion

VASOLIFE HEALTHCARE
Ticazex-90
Vasotel-3D
GLIPIZEX-M
Sitazex-M
Sitazex-M Forte
Vildazex-DP
Sitazex-3D
Sitazex-GM 2
A Professionally Managed Pharma Company offers
Monopoly Rights to market its products on Franchisee/PCD basis on State/District level all over India
Areawise Unique Coding System to avoid infiltration
Parties looking for entire state URGENTLY CALL 7696048889 9878941960
Plot No. 198, Indl. Area, Phase-2 Panchkula, Haryana
H. O. SCF-434, Basement & IInd Floor, Motor Market, Manimajra, Chandigarh - 160 101,
E-mail : zenacts.arti@gmail.com

ग्रामीण स्वास्थ्य सुविधाओं आवश्यकताओं को बजट में शामिल किया जाना चाहिए

भारत ने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में बहुत प्रगति की है। आज हमारे पास विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवा सुविधाएँ हैं, जिनमें दुनिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ पैरा क्लिनिकल कर्मचारी कार्यरत हैं। हम बेहतर नैदानिक परिणामों के लिए अत्याधुनिक रोबोटिक सर्जरी का भी लाभ उठाते हैं। यह सब चिकित्सा संस्थानों के कौशल और क्षमताओं के कारण संभव हुआ है, जिन्होंने कुछ विश्व स्तरीय डॉक्टर तैयार किए हैं। सरकार ने चिकित्सा संस्थानों और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन जैसे कुछ बड़े कल्याण कार्यक्रमों जैसे बुनियादी ढाँचे प्रदान करने में अपनी भूमिका निभाई है, जिससे भारतीय रोगियों के लिए जेब से खर्च को कम करने में मदद मिली है। हम देश के ग्रामीण हिस्से पर ध्यान केंद्रित करते हुए स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में और निवेश कर सकते हैं। भारत में केवल 38% डॉक्टर ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा करते हैं और वे लगभग 68% आबादी को कवर करते हैं। इसका मतलब है कि ग्रामीण भारत में अधिकांश रोगियों को या तो इलाज के लिए शहरों की यात्रा करनी पड़ती है या झोलाछाप डॉक्टरों या पंजीकृत चिकित्सा चिकित्सकों (आरएमपी) के पास जाने का जोखिम उठाना पड़ता है। लगभग 80% ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में सर्जन, स्त्री रोग विशेषज्ञ और बाल रोग विशेषज्ञ जैसे बुनियादी चिकित्सा पेशेवरों की कमी है। अब यह विभाजन कुछ ऐसा है जिसे बजट ग्रामीण केंद्रों में सुविधाएं स्थापित करने के लिए निजी संस्थानों को प्रोत्साहित करके संबोधित कर सकता है। आज इस क्षेत्र के लिए बुनियादी कर प्रोत्साहन उपलब्ध हैं, लेकिन इसे बढ़ाया जाना चाहिए। EMR और HIS को लागू करने के लिए 4 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन सहित राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन के तहत वित्तीय प्रोत्साहन को और बढ़ाने की आवश्यकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में सुविधाएं स्थापित करने वाले निजी खिलाड़ियों के लिए कर अवकाश एक लंबा रास्ता तय करेगा। स्वास्थ्य सेवा के लिए बजट आवंटन में वृद्धि होनी चाहिए। पिछले बजट के अनुसार यह लगभग 86,000 करोड़ रुपये था। जब देश संक्रामक रोगों के साथ-साथ जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से जूझ रहा है, तो यह संख्या मददगार नहीं होने वाली है। जब हम आबादी पर इस पैसे के वितरण को देखते हैं, तो हमारे पास मुश्किल से 600-700 रुपये प्रति नागरिक है जो सालाना खर्च किया जाता है। इसलिए बजट का आवंटन बढ़ना चाहिए, और यह उपकर या अन्य उत्पादों और सेवाओं से अप्रत्यक्ष कर संग्रह के रूप में अधिक प्रत्यक्ष कर संग्रह के रूप में किया जा सकता है। बजट में ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए सब्सिडी को भी शामिल किया जाना चाहिए। यह सस्ती जमीन, बिजली या उपकरण खरीदने के लिए अनुदान के रूप में हो सकता है। उदाहरण के लिए, आज मेडिकल बेड या डेंटल चेयर पर 18% जीएसटी लागू है। अब यह छूट दी जा सकती है अगर इसे ग्रामीण क्षेत्र में किसी चिकित्सा सुविधा को आपूर्ति की जाती है। ये सब्सिडी न केवल अच्छे उपकरण प्राप्त करने में बल्कि डॉक्टरों और नर्सों के रूप में सही मानव पूंजी को ग्रामीण क्षेत्रों में आकर्षित करने में भी बहुत मददगार साबित होगी। जबकि सरकार ने 1 लाख 55 हजार से ज्यादा ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र उपलब्ध कराए हैं, लेकिन उसके पास बीमारियों का पहले से पता लगाने और अस्पताल में भर्ती होने की संख्या कम करने के लिए सही बुनियादी ढाँचा नहीं है। यहाँ पर निजी क्षेत्र को मजबूत शासन तंत्र के साथ इन केंद्रों को चलाने के लिए प्रोत्साहित करके बड़े पैमाने पर सार्वजनिक-निजी भागीदारी हासिल की जा सकती है। फिर निवारक स्वास्थ्य को बड़े पैमाने पर हासिल किया जा सकता है। इसे कारगर बनाने के लिए हमें एक मजबूत डिजिटल बुनियादी ढाँचे की जरूरत होगी, आज सरकार ने पहले ही इंडिया हेल्थ स्टैक में निवेश किया है, लेकिन स्टैक का इस्तेमाल करने के लिए ज्यादा से ज्यादा संगठनों को बजटीय प्रोत्साहन देने से बड़े पैमाने पर डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण होगा। इसी तरह सिर्फ परामर्श से परे टेली मेडिसिन का लाभ उठाना और परामर्श के साथ-साथ निगरानी के लिए दूरस्थ सत्र आयोजित करने के लिए शहरों में विशेषज्ञता का उपयोग करना ग्रामीण क्षेत्रों में देखभाल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने में काफी मददगार साबित होगा। फिर से, टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म के साथ-साथ सॉफ्टवेयर ऐज ए मेडिकल डिवाइस (SAMD) जैसी अवधारणाओं को प्रोत्साहन देने का अवसर है। निष्कर्ष रूप में, जबकि हमें अभी लंबा सफर तय करना है, बहुत कुछ करने की जरूरत है। उनके बजट से यह अपेक्षा है कि भारत मजबूत प्रौद्योगिकी के बल पर तथा अपने डॉक्टरों और नर्सों की विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक निवेश करने के लिए कर और वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए सही कदम उठाएगा।

दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र को नाबालिगों द्वारा अंगदान के लिए दिशानिर्देश बनाने का निर्देश दिया

नई दिल्ली: दिल्ली उच्च न्यायालय ने हाल ही में केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि वह नाबालिगों द्वारा अपने परिवार के सदस्यों को अंग दान और जीवित ऊतक दान करने के अनुरोधों पर विचार करते समय प्राधिकरण के लिए दिशा-निर्देश तैयार करे। उच्च न्यायालय एक नाबालिग बेटी द्वारा अपने पिता को अपने लीवर का हिस्सा दान करने के लिए दायर याचिका पर विचार कर रहा था। याचिकाकर्ता ने अधिकारियों को याचिकाकर्ता को अपने बीमार पिता को अपने लीवर का एक हिस्सा दान करने के लिए आवश्यक अनुमति देने के लिए निर्देश देने की मांग की थी। उच्च न्यायालय ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को नाबालिगों द्वारा ऊतक दान की अनुमति देने के संबंध में एक आवेदन पर विचार करते समय उचित प्राधिकरण और राज्य सरकारों के मार्गदर्शन के लिए मानव अंग और ऊतक प्रत्यारोपण नियम, 2014 के तहत दिशा-निर्देश तैयार करने का निर्देश दिया। आज से दो महीने की अवधि के भीतर दिशा-निर्देश तैयार किए जाएं। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने एक नाबालिग बेटी को अपने पिता को अपने लीवर का एक हिस्सा दान करने की अनुमति दी। न्यायमूर्ति प्रसाद ने कहा, यह न्यायालय वर्तमान मामले में भारत के संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत अपने विवेक का प्रयोग करना उचित समझता है और याचिकाकर्ता को अपने पिता को अपने लीवर का एक हिस्सा दान करने की अनुमति देता है। उच्च न्यायालय ने निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता को एम्स जैसे विशेष केंद्र में प्रक्रिया से गुजरना चाहिए, जहां याचिकाकर्ता की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उसकी सभी विस्तृत जांच की जाती है। हालांकि, उच्च न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि यह न्यायालय यह आदेश इसलिए पारित कर रहा है क्योंकि याचिकाकर्ता के पिता लीवर की बीमारी के अंतिम चरण में हैं। अदालत ने कहा, याचिकाकर्ता की उम्र 17 वर्ष 4 महीने और 21 दिन है और एम्स के मेडिकल बोर्ड ने स्पष्ट रूप से कहा है कि याचिकाकर्ता अपने लीवर का एक हिस्सा दान करने के लिए शारीरिक रूप से सक्षम है और उसका भविष्य खतरे में नहीं पड़ेगा तथा इस मामले में जो जोखिम है, वह किसी भी दानकर्ता के लिए सामान्य जोखिम है। यह कहा गया कि याचिकाकर्ता के पिता को चेन्नई के डॉ. रेला इंस्टीट्यूट एंड मेडिकल सेंटर में भर्ती कराया गया था और उन्हें लंबे समय से लीवर की बीमारी, नॉन-अल्कोहलिक स्टीटोहेपेटाइटिस-सिरोसिस (एनएएसएच), अंतिम चरण की लीवर बीमारी का पता चला है, जिसके लिए तत्काल लीवर प्रत्यारोपण की आवश्यकता है। यह कहा गया है कि परिवार लीवर प्रत्यारोपण के लिए एक डोनर की तलाश कर रहा था और याचिकाकर्ता उक्त उद्देश्य के लिए उपयुक्त पाया गया। यह कहा गया है कि उन्होंने 28.06.2023 को इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज (ILBS) नई दिल्ली को याचिकाकर्ता की नाबा. लिग बेटी के लीवर के एक हिस्से के लीवर प्रत्यारोपण की अनुमति मांगने के लिए एक अभ्यावेदन दिया था। यह कहा गया कि ILBS से कोई जवाब नहीं मिला। मेडिकल बोर्ड, एम्स द्वारा दी गई रिपोर्ट के मद्देनजर कि याचिकाकर्ता अपने पिता को अपने लीवर का एक हिस्सा दान करने के लिए शारीरिक रूप से फिट है और उसके जीवन की गुणवत्ता कम नहीं होगी क्योंकि उसके पिता को तत्काल लीवर प्रत्यारोपण की आवश्यकता है क्योंकि वह अंतिम चरण के लीवर रोग, नॉन-अल्कोहलिक स्टीटोहेपेटाइटिस-सिरोसिस (NASH) में है, यह न्यायालय याचिकाकर्ता को अपने पिता को अपने लीवर का एक हिस्सा दान करने की अनुमति देने के लिए इच्छुक है, उच्च न्यायालय ने कहा।

SURYAVEDA COSMECEUTICALS PVT. LTD.
Third Party COSMETIC Manufacturer
In-House Research and Development
In-House Laboratory Testing
Mr. Ashok Kumar Jha, Director
Customised Product Packaging Designs
CONTACT US FOR INQUIRES RELATED WITH IT
+91- 8287145039 | 9667097234 | 9897978626
www.suryavedacosmetics.com | www.suryavedacosmeceuticals.in

Wish You a Very Happy Birthday to Mr. Navinbhai T. Gondaliya
Shraddha Enterprises, 16,17 K.D. Trade Center Mahavir Market, Summair Club Road Jamnagar (Guj.) Mob:9714455196
"Wishing You a day filled with Happiness and a year filled with joy"
शनिवार, 24 फरवरी 2024 तदनुसार माघ शुक्ल पूर्णिमा, विक्रम सम्वत् 2080
Brejesh & Neeru Garg
MEDICAL DARPAN MEDIA HOUSE
K.P. Road, Bulandshahr, Mob.: 9045029158, 7037629158

सीबीआई ने की हॉस्पिटल में रेड

भोपाल- सीबीआई ने राजधानी के भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल (बीएमएचआरसी) में रेड की है। छापामारी के दौरान टीम ने खरीददारी संबंधी अहम दस्तावेज बरामद किए हैं। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन (सीबीआई) की 20 सदस्यीय टीम ने करीब 9 घंटे छानबीन की। टीम ने मौके से कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए हैं। बताया गया है कि सीबीआई की टीम ने अस्पताल स्टाफ के कुछ अधिकारियो के घर पर भी छापामारी की है। टीम ने बीएमएचआरसी की इंजीनियरिंग शाखा, स्टोर,स्थापना शाखा समिति अन्य विभागों में दस्तावेज खंगाले हैं। जानकारी अनुसार सीबीआई को बीएमएचआरसी में हुई खरीदी में गड़बड़ी की शिकायत मिली थी। इस शिकायत पर सीबीआई ने रेड की है। अचानक पड़े सीबीआई की रेड से अस्पताल में मौजूद अधिकारी व कर्मचारियों में हडकंप मच गया। बीएमएचआरसी में बड़ी गड़बड़ी के खुलासे की संभावना जताई गई है।

क्षणिकाएं

समय की उठा पटक,
कोई भी नहीं जानता।
क्यों मानव स्वयं को,
समय के उपर मानता।
निज मन को,
समुन्द्र समान बनाओ।
शांत गंभीर,
हर दिशा में बढाओ।
जीवन लेना देना,
प्रभु का काम है।
कर्म करते जाना,
हमारा काम है।
चाँद पर विजय,
भारत का गर्व है।
हर भारतवासी का
एक बडा पर्व है।
मन की गति को,
चलाते आना है।
बढती आयु को,
हराते जाना है।

– डॉ॰ नरेन्द्र नाथ लाहा,
ग्वालियर (म॰प्र॰)
मो॰ 9753698240.

Wish You a Very Happy Marriage Anniversary to Asif Ali & Promila khan
Unix Biotech, Baddi, Solan (H.P.) Mob:9816234333
"Wishing You a day filled with Happiness and a year filled with joy"
सोमवार, 19 फरवरी 2024 तदनुसार माघ शुक्ल दशमी, विक्रम सम्वत् 2080
Brejesh & Neeru Garg
MEDICAL DARPAN MEDIA HOUSE
K.P. Road, Bulandshahr, Mob.: 9045029158, 7037629158
www.medicaldarpan.com

Beingwell Healthcare
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED COMPANY)
Your enquires are Welcome for Franchisee/PCD & Distribution Monopoly Bussiness for Unrepresented Area.
All OVER INDIA
Tablet | Capsules | Ointment | Injection
Soft Gel Cap. | Syrup | Ayurvedic | Sachet
LATEST & NEW DCGI MOLECULES
Parties looking for entire state URGENTLY CALL 9816702610 750889990
Full Promotional Support -
• Attractive Pramotional Corporate
• Gifts
• Visual Aids
• Order Book
• Reminder Card
• Catch Covers
• MR Bags
Third party manufacturing proposals invited
Call for more Details
SCO : 485, 2nd, Floor, M. Market, Manimajra, Chandigarh-160101
Contact: 172-5024875, 7508899900, 9816702610
Email : beingwell2015@gmail.com
Website : www.beingwellhealthcare.co.in

We can't spell S ccess without 'u'
Plusindia

* GMP and SCHEDULE M Certified Unit
* WHO MANUFACTURING PLANT
* ISO 9001:2015 Certification
PLUSINDIA Group one among 5000 Best MSME IN 2017 & Business Excellence Award Winner in 2018.
BACIPLUS – Each 5 ml oral suspension contains : Bacillus Clausii Spores (UBBC-07) 2 billion spores. Susp
BIONORM – Thyroxine Sodium 12.5/25/50/75/100/125 mg.
FLOCAD – Calcium Dobesilate Monohydrate500mg Cap
PEREZ-100 SR – Nitrofurantoin 100mg Tab.
RIF 200/400 – Rifaximin 200/400mg Tab.
Beulah Biomedics | GENXMEDICA | LIFE CARE | grace PHARMA
Web site : www.plusindia.in Ph: 9440894154/9885500050
E-mail : plusindia2003@yahoo.co.in, plusindia2003@gmail.com

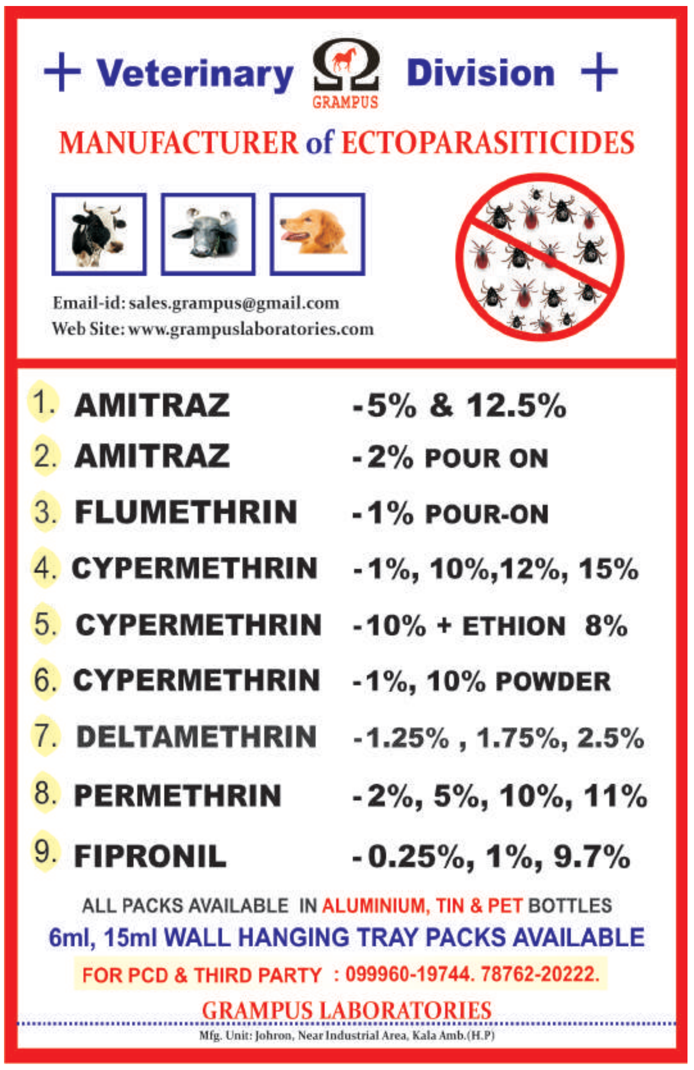

राजस्थान का एकमात्र नशा निवारण केंद्र बंद हो जाएगा

कोटा : नशीली दवाओं के पीड़ितों की भारी आमद के बावजूद, कोटा में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एनएमसीएच) के राष्ट्रीय नशा निर्भरता उपचार केंद्र (एनडीडीटीसी) द्वारा केंद्रीय योजना के तहत वित्त पोषित और संचालित राज्य का एकमात्र ड्रग ट्रीटमेंट सेंटर (डीटीसी) 28 फरवरी से राजकीय मेडिकल कॉलेज (जीएमसी), कोटा की अनुशंसा पर बंद कर दिया जाएगा। कोटा में स्मैक और अफीम के नशेड़ियों की भारी संख्या को देखते हुए, जो कि बारां और झालावाड़ जिलों के साथ-साथ नशीली दवाओं की अवैध तस्करी का केंद्र भी है, जहां बड़ी संख्या में अफीम की खेती की जाती है, कोटा के न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में 2016 में डीटीसी की स्थापना की गई थी। शहर के एमबीएस अस्पताल में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) द्वारा पहले से ही मौजूद ऐसे ड्रग ट्रीटमेंट सेंटर की उपलब्धता के साथ अप्रासंगिकता और गैर-फलदायी प्रदर्शन का हवाला देते हुए, जीएमसी के मनोचिकित्सा विभाग के एचओडी डॉ. बीएस शेखावत ने 29 दिसंबर, 2023 को लिखे पत्र में एनडीडीटीसी, एम्स को कोटा में डीटीसी को बंद करने के लिए अपना समर्थन वापस लेने की सिफारिश की। एनडीडीटीसी, एम्स के डीटीसी योजना के नोडल अधिकारी डॉ. अतुल आंबेकर ने बुधवार को कहा, जीएमसी के सक्षम प्राधिकारी की सिफारिश पर, उन्होंने डीटीसी को बंद करने की अनुमति दी। हालांकि यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि यह केंद्र राजस्थान में एकमात्र ड्रग ट्रीटमेंट सेंटर है। डीटीसी योजना के नोडल अधिकारी द्वारा 6 जनवरी को लिखे गए पत्र में कहा गया है, डीटीसी योजना में जीएमसी का बहुमूल्य योगदान रहा है और डीटीसी कोटा ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है, हालांकि, हम सक्षम प्राधिकारी के निर्णय का सम्मान करते हैं। पत्र में सभी हितधारकों के लिए क्लोजर की प्रक्रिया को सुचारू रूप से सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने का प्रस्ताव दिया गया है। केंद्र के संविदा कर्मचारियों को एक महीने पहले नोटिस देकर उनकी संविदा सेवा समाप्त करने की सूचना दी गई थी और केंद्र से उपचार प्राप्त करने वाले नशा पीड़ितों को अस्पताल के मनोरोग विभाग की ओपीडी में स्थानांतरित होने के लिए कहा गया था। कोटा में डीटीसी नशे के आदी लोगों के लिए नुकसान कम करने के लिए दवा के विकल्प के साथ उपचार की पश्चिमी अवधारणा पर आधारित है। पीड़ित उपचार द्वारा पूरी तरह से छुटकारा पाने के बजाय हानिकारक दवाओं से विकल्प पदार्थ की ओर रुख करते हैं। इस बीच, लक्ष्य पीड़ित को नशे की लत से मुक्त करना है, लेकिन हमने देखा है कि पीड़ित लंबे समय तक इन विकल्पों पर निर्भर हो रहे हैं, जो हमारा उद्देश्य नहीं है, डॉ शेखावत ने इसके गैर-फलदायी प्रदर्शन की ओर इशारा करते हुए कहा। डॉ. शेखावत ने कहा कि डीटीसी मूल रूप से एक अफीम विकल्प चिकित्सा केंद्र है और इसे नशा मुक्ति केंद्र के रूप में जाना जाता है, लेकिन यहां नशेड़ी नशे की लत से मुक्त होने के बजाय वर्षों से केंद्र से प्राप्त विकल्प दवाओं को अपना रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेथाडोन और इसी तरह के विकल्प बाजार में बिक्री के लिए नहीं हैं और केवल सरकारी केंद्रों पर ही उपलब्ध हैं। वर्तमान में, लगभग 100-110 मरीज (नशे के आदी) केंद्र से विकल्प चिकित्सा की दैनिक खुराक प्राप्त कर रहे हैं और अब उन्हें एनएमसीएच और एमबीएस अस्पतालों में अन्य नशा उपचार केंद्रों में स्थानांतरित करने की तैयारी है।

क्षणिकाएं

किसी की ना मानना,
होता जा रहा कायदा
पता नहीं भैया,
क्या हो रहा फायदा।
हर प्रयास को,
समझ पाईए।
अच्छा लगे तो,
उत्साह बधाईए।
पलों का
हिसाब मत लो।
पलों को
बस जीते चलो।
खंडहर पर धूल,
चढ़ा पाया जाता है।
समय हर जीत को,
भुला ही पाता है।
क्रोध को,
संभालिए।
केवल,
मुस्कुराइए।
कभी कुछ पल,
एकांत में बिताईए।
मन का द्वंद,
काम करते जाईए।
छोटी चीजों में,
खुशियों को पाओ।
जीवन को लगातार,
खुशनुमा बनाओ।
सीमा के प्रहरी,
तुम्हें सलाम।
तुम रख रहे हो,
भारत का नाम।

– डॉ॰ नरेन्द्र नाथ लाहा,
ग्वालियर (म॰प्र॰)
मो॰ 9753698240.

दुर्लभ फेफड़ों की कोशिकाएं सिस्टिक फाइब्रोसिस में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं: अध्ययन

प्राप्त समाचार के अनुसार आयोवा विश्वविद्यालय के एक नए अध्ययन में पाया गया कि फुफ्फुसीय आयनोसाइट्स, जो दुर्लभ फेफड़े की कोशिकाएं हैं, वायुमार्ग की सतह से पानी और नमक के अवशोषण में सहायता करती हैं। यह कोशिका व्यवहार अपेक्षा के विपरीत है, और इसका सिस्टिक फाइब्रोसिस (सीएफ) फेफड़ों की बीमारी पर प्रभाव पड़ सकता है। वैज्ञानिकों ने पांच साल पहले मानव फेफड़ों और वायुमार्ग की परत में आयनोसाइट्स, मछली के गलफड़ों और मेंढक की त्वचा में देखी जाने वाली एक प्रकार की कोशिका की खोज की थी। इन फुफ्फुसीय आयनोसाइट्स ने सिस्टिक फाइब्रोसिस शोधकर्ताओं की रुचि को बढ़ाया क्योंकि, वायुमार्ग अस्तर में सभी को. शिकाओं का केवल 1 प्रतिशत होने के बावजूद, वे सीएफटीआर की कुल मात्रा का लगभग आधा हिस्सा ले जाते हैं, प्रोटीन जो सिस्टिक फाइब्रोसिस में दोषपूर्ण है। वायुमार्ग स्रावी कोशिकाओं में मौजूद सीएफटीआर चौनल कोशिका से बाहर और वायुमार्ग की सतह को कवर करने वाली तरल की पतली परत में क्लोराइड आयनों को स्रावित करने के लिए जाने जाते हैं। यह वायुमार्ग सतही तरल फेफड़ों को हानिकारक कीटाणुओं और कणों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। क्योंकि पानी नमक का अनुगमन करता है, क्लोराइड आयनों का बहिर्वाह वायुमार्ग की सतह के जलयोजन को बढ़ावा देता है। इसके विपरीत, नए अध्ययन में पाया गया कि आयनोसाइट्स में सीएफटीआर चौनल इसके विपरीत कार्य करते हैं; वे क्लोराइड आयनों को अवशोषित करते हैं और नमी अवशोषण को बढ़ावा देते हैं। प्रमुख विशेषता जो आयनोसाइट्स को क्लोराइड को अवशोषित करने की अनुमति देती है, वह सीएफटीआर चौनल से कोशिका के विपरीत झिल्ली पर आयनोसाइट-विशिष्ट बार्टिन क्लोराइड चौनल है, इयान थॉर्नेल, पीएचडी, आंतरिक चिकित्सा के यूआई शोध सहायक प्रोफेसर और नए के वरिष्ठ लेखक कहते हैं। अध्ययन द जर्नल ऑफ क्लिनिकल इन्वेस्टिगेशन के 16 अक्टूबर के अंक में प्रकाशित हुआ। एक साथ मिलकर, ये दोनों चौनल आयनोसाइट के माध्यम से क्लोराइड के लिए एक नाली बनाते हैं जो शरीर में वायुमार्ग के तरल पदार्थ को बाहर निकालने में मदद करता है।

अपमिश्रित दवा तस्करी का भंडाफोड़

देवबंद (सहारनपुर)- अपमिश्रित दवा को भारत से खाड़ी देशों में बेचने वाला गिरोह पकडने में पुलिस को सफलता मिली है। गिरोह में शामिल एक महिला समेत चार तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इनके कब्जे से भारी मात्रा में अपमिश्रित दवाइयां बरामद की गई हैं। जब्त की गई दवाओं की कीमत साढ़े 12 लाख रुपये से अधिक है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान मकबरा रजबहे की पुलिया पर झबरेड़ा (उत्तराखंड) की ओर से आई कारको रोका। संदेह के आधार पर कार की तलाशी ली। कार से भारी मात्रा में अपमिश्रित दवाइयां बरामद हुई। सीओ अशोक सिसोदिया ने बताया कि कार में छह बैग मिले। बैग की तलाशी के दौरान न्यू फेंसाड्रिल कफ सीरप की 192 शीशी व प्रेगाब्लिन के 37 हजार 440 बैप्सूल बरामद हुए हैं। मौके पर औषधि निरीक्षक को बुलाकर बरामद दवाइयों की जांच कराई गई। इन दवाओं की कीमत 12 लाख 51 हजार 355 रुपये आंकी गई। पुलिस ने मौके से शाहजान पुत्र मुकर्रम निवासी हरिद्वार (उत्तराखंड), उसका भाई सलमान, अंबेहटा शेखा गांव निवासी खालिद पुत्र हनीफ व बझेड़ी मुजफ्फरनगर निवासी गजाला पत्नी रजाउल को गिरफ्तार कर लिया। इनके खिलाफ केस दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने सभी आरोपियों को जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में बताया कि सभी दवाइयों में नशीला पदार्थ मिलाकर इनका इस्तेमाल होता है। वे इन्हें सऊदी अरब ले जाकर बेचते हैं। वहां ये दवाएं करीब दस गुना महंगे दामों पर बिकतीं हैं। खालिद, शाहजान व गजाला ने अपने पासपोर्ट और टिकट दिखाए। उन्होंने बताया कि आज भी वे इन मिलावटी दवाइयों को सऊदी अरब लेकर जा रहे थे। वे कई बार इस काम के लिए सऊदी अरब जा चुके हैं। आरोपियों ने बताया कि वे दिल्ली एयरपोर्ट से प्लेन में सऊदी अरब जाते थे। इसके लिए दवाई की खेप को काली पॉलीथीन में रखते थे। उस पॉलीथीन को उसी तरह की 15 से 20 पॉलीथीन के अंदर डाल देते थे। इससे पॉलीथीन के लेयर बन जाते थे। पॉलीथीन की मोटी परत बनने के बाद उसे मेटल डिटेक्टर पकड़ नहीं पाता था। आरोपी इसी बात का फायदा उठाकर प्लेन में जाते थे। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह दवाई की खेप उत्तराखंड के मंगलौर से लेकर आते थे। वहां पर एक व्यक्ति उन्हें यह खेप देता था। अब पुलिस मंगलौर के उस व्यक्ति को तलाश कर रही है। दवाई को जांच के लिए भेजा गया है। यह भी पता किया जा रहा है कि आरो. पियों का कोई साथी सऊदी अरब में तो नहीं है। औषधि निरीक्षक लवकुश प्रसाद के अनुसार बीते वर्ष भी ये आरोपी एयरपोर्ट पर जांच के दौरान पकड़े गए थे, लेकिन सेटिंग के चलते छुट गए।

ब्रजेश कुमार गर्ग स्वामी की ओर से ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा प्रकाशित, ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा मुद्रित तथा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एण्ड पैकिंग लिमिटेड नोएडा, गौतम बुद्ध नगर में मुद्रित एवं बी.एन.मैडीकल कॉम्प्लैक्स, बुलन्दशहर से प्रकाशित सम्पादक- ब्रजेश कुमार गर्ग.